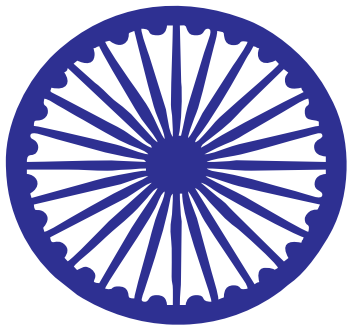




नवसर्जन संस्कृति

PRGI No. GJHIN/25/A2786

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM AHMEDABAD, LUCKNOW

वर्ष : 02

अंक : 023

दि. 23.10.2026,

शुक्रवार

पाना : 04

किंमत : 00.50 पैसा

इस बार कम ठिठुराएगी सर्दी, फरवरी से ही बढ़ने लगेंगे गर्मी के तेवर

उत्तर और मध्य भारत में सामान्य से 1 से 2 डिग्री अधिक रह सकता है तापमान, गेहूं-सरसों समेत रबी की फसलों पर असर पड़ने की आशंका

नई दिल्ली। देश के बड़े हिस्से में इस बार सर्दियों का मिजाज सामान्य से अलग रह सकता है। कड़ाके की ठंड के लिए लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ सकता है, जबकि सर्दी का असर कम होने के साथ ही फरवरी से गर्मी के तेवर तेज होने की आशंका जताई जा रही है। प्रशांत महासागर में अल नीनो की परिस्थितियों के प्रभाव के बीच दिसंबर 2026 से फरवरी 2027 तक उत्तर और मध्य भारत के कई इलाकों में तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान सामने आया है। मौसम के इस संभावित बदलाव का असर केवल आम जनजीवन तक सीमित नहीं रह सकता, बल्कि कृषि, जल संसाधनों और आगामी गर्मी के मौसम पर भी पड़ सकता है। खास तौर पर गेहूं, सरसों और दालों जैसी रबी की फसलों को लेकर चिंता बढ़ सकती है, क्योंकि इनकी अच्छी वृद्धि और पैदावार के लिए सर्दियों का अनुकूल तापमान महत्वपूर्ण माना जाता है।

भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईसर), मोहाली के पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग के विशेषज्ञ डॉ. राजू अड्डा ने भारतीय मौसम

विज्ञान सोसायटी की ओर से हिमपरिसर में आयोजित सम्मेलन के दौरान सर्दियों के संभावित मिजाज को लेकर यह आकलन प्रस्तुत किया। उनके मॉडल आकलन के अनुसार, दिसंबर 2026 से फरवरी 2027 के बीच पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ सहित उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने की 70 प्रतिशत संभावना है। व्यापक तौर पर उत्तर और मध्य भारत में तापमान सामान्य से करीब एक से दो डिग्री अधिक रहने का अनुमान जताया गया है। यदि यह आकलन सही साबित होता है, तो सर्दियों के दौरान सामान्य से अधिक गर्म दिन और अपेक्षाकृत गर्म रातें देखने को मिल सकती हैं। हालांकि, सामान्य से अधिक तापमान रहने की संभावना का अर्थ यह नहीं है कि इस बार ठंड पूरी तरह गायब हो जाएगी। मौसम की परिस्थितियां लगातार बदलती रहती हैं और अलग-अलग क्षेत्रों में इनका प्रभाव भी अलग हो सकता है। पश्चिमी विक्षोभ, स्थानीय मौसमी परिस्थितियां और अन्य जलवायु कारक तापमान में अचानक बदलाव ला सकते हैं। ऐसे में



किसी अवधि में ठंड बढ़ने या शीतलहर चलने की संभावना बनी रह सकती है। फिलहाल उपलब्ध आकलन सर्दियों के पूरे मौसम के संभावित रुझान की ओर संकेत करता है, न कि हर दिन के मौसम की निश्चित भविष्यवाणी करता है। सर्दियों में तापमान सामान्य से ऊपर रहने का असर फरवरी और मार्च के दौरान अधिक स्पष्ट दिखाई दे सकता है। आमतौर पर फरवरी में ठंड धीरे-धीरे कम होने लगती है और मार्च तक दिन का तापमान बढ़ने लगता है। लेकिन यदि सर्दियों के दौरान ही तापमान अपेक्षाकृत

अधिक रहता है, तो गर्मी का असर समय से पहले महसूस हो सकता है। इससे लोगों को फरवरी के महीने में ही गर्म दिनों का सामना करना पड़ सकता है। आगामी गर्मी के मौसम में लू चलने का खतरा भी बढ़ने की आशंका जताई गई है। हालांकि, लू की वास्तविक तीव्रता और अवधि का आकलन उस समय बनने वाली मौसमी परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। मौसम में संभावित बदलाव का सबसे महत्वपूर्ण असर कृषि क्षेत्र पर पड़ सकता है। रबी की फसलों की बुवाई

के बाद उनके विकास और उत्पादन के लिए तापमान की भूमिका अहम होती है। गेहूं की फसल को विशेष रूप से उसके विकास के कुछ चरणों में अनुकूल ठंड की आवश्यकता होती है। यदि तापमान समय से पहले बढ़ने लगता है, तो फसल के विकास चक्र पर असर पड़ सकता है। गर्मी जल्दी बढ़ने से गेहूं के दाने भरने की प्रक्रिया प्रभावित होने की आशंका रहती है, जिससे दानों का वजन और संभावित उत्पादन कम हो सकता है। हालांकि, वास्तविक नुकसान इस बात पर निर्भर करेगा कि तापमान में कितनी वृद्धि होती है, गर्मी किस चरण में पड़ती है और खेतों में नमी की स्थिति कैसी रहती है। सरसों और दालों की फसलों के लिए भी मौसम की अनुकूलता जरूरी है। तापमान में असामान्य बढ़ोतरी और पर्याप्त बारिश नहीं होने की स्थिति में फसलों की वृद्धि प्रभावित हो सकती है। सरसों की फसल में फूल आने और दाने बनने के समय मौसम की परिस्थितियां उत्पादन को प्रभावित कर सकती हैं। इसी तरह दालों की फसलें भी तापमान और नमी में बदलाव के प्रति संवेदनशील हो सकती हैं। यदि सर्दियों में अपेक्षित ठंड

नहीं मिलती और फरवरी-मार्च में गर्मी तेजी से बढ़ती है, तो किसानों को फसल प्रबंधन में अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है। समय पर सिंचाई, मिट्टी में नमी बनाए रखने और कृषि विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार प्रबंधन करने की जरूरत बढ़ सकती है। बारिश का पैटर्न भी इस पूरे परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सर्दियों में पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में वर्षा होती है, जो रबी की फसलों के लिए उपयोगी साबित हो सकती है। यदि बारिश सामान्य से कम रहती है और इसके साथ तापमान भी बढ़ता है, तो खेतों में नमी की कमी की समस्या गंभीर हो सकती है। ऐसी स्थिति में सिंचाई पर निर्भरता बढ़ेगी और किसानों की लागत में भी इजाफा हो सकता है। दूसरी ओर, यदि समय पर पर्याप्त बारिश होती है और तापमान में वृद्धि सीमित रहती है, तो संभावित नुकसान का प्रभाव कम हो सकता है। इसलिए फसलों पर पड़ने वाले असर का आकलन तापमान के साथ-साथ बारिश और सिंचाई की उपलब्धता को ध्यान में रखकर करना होगा।

जल संसाधनों की स्थिति भी चिंता का एक अहम पहलू है। कैदीय जल आयोग के सितंबर 2026 के आंकड़ों के अनुसार, देश के 178 प्रमुख जलाशयों में उपलब्ध पानी उनकी कुल क्षमता का करीब 70 प्रतिशत था। यह स्तर पिछले साल बताया गया। जलाशयों में उपलब्ध पानी कृषि, पेयजल और अन्य आवश्यकताओं के लिए महत्वपूर्ण होता है। यदि आने वाले महीनों में तापमान अधिक रहता है और वर्षा का वितरण अनुकूल नहीं होता, तो पानी की मांग और उपलब्धता के बीच संतुलन बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। गर्मी जल्दी शुरू होने की स्थिति में सिंचाई और शहरी पेयजल की जरूरत भी बढ़ सकती है। हालांकि, जलाशयों की वास्तविक स्थिति आने वाले महीनों में होने वाली वर्षा, पानी की खपत और अन्य परिस्थितियों पर निर्भर करेगी। इस संभावित मौसमी बदलाव के केंद्र में अल नीनो की भूमिका भी चर्चा में है। अल नीनो प्रशांत महासागर के भूमध्यरेखीय क्षेत्र में समुद्र की सतह के पानी का सामान्य से अधिक गर्म

होना है। इस बदलाव का असर समुद्र और वायुमंडल के बीच होने वाली ऊर्जा के आदान-प्रदान पर पड़ता है, जिससे वैश्विक वायुमंडलीय परिसंचरण प्रभावित हो सकता है। इसके परिणामस्वरूप दुनिया के अलग-अलग क्षेत्रों में बारिश और तापमान के सामान्य पैटर्न में बदलाव देखने को मिल सकता है। भारत में अल नीनो को अक्सर मानसून के संभावित बदलाव के संदर्भ में देखा जाता है, लेकिन इसका प्रभाव केवल वर्षा तक सीमित नहीं है। व्यापक जलवायु परिस्थितियों के साथ मिलकर यह तापमान और मौसमी घटनाओं को भी प्रभावित कर सकता है। फिर भी किसी एक जलवायु घटना के आधार पर पूरे देश की सर्दी, बारिश या गर्मी के बारे में निश्चित निष्कर्ष निकालना सही नहीं होगा। भारत जैसे विशाल देश में हिमालयी क्षेत्रों, उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों, मध्य भारत और तटीय क्षेत्रों की मौसम संबंधी परिस्थितियां अलग-अलग होती हैं। पश्चिमी विक्षोभ, स्थानीय हवाएं, बादलों की स्थिति, मिट्टी में नमी और अन्य महासागरीय परिस्थितियां भी तापमान को प्रभावित करती हैं।

प्री-ट्रायल हिरासत को सजा में नहीं बदल सकते : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने विचारधीन कैदियों के अधिकारों पर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा है कि मुकदमे की सुनवाई शुरू होने से पहले लंबे समय तक जेल में रखना किसी आरोपी के लिए बिना सुनवाई के सजा का रूप नहीं लेना चाहिए। अदालत ने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्राप्त है। इसमें त्वरित सुनवाई का अधिकार भी शामिल है। किसी मामले में आरोप गंभीर होने के बावजूद आरोपी को अनिश्चितकाल तक हिरासत में नहीं



रखा जा सकता। जमानत पर विचार करते समय आरोपी की प्रकृति के साथ-साथ हिरासत की अवधि और मुकदमे की सुनवाई की स्थिति जैसे पहलुओं को भी ध्यान में रखना जरूरी है। न्यायमूर्ति दीपाकर दत्ता और न्यायमूर्ति शीन नागू की पीठ ने जल जीवन मिशन से जुड़े टेंडर में कथित अनियमितताओं के मामले में गणस्थान सरकार के पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता महेश चंद्र गोशी तथा मुकेश पाठक को नियमित जमानत दे दी। इस मामले में जनकल्याणकारी परियोजना से संबंधित टेंडर प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितता और संस्थागत मिलीभगत के आरोप लगाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि आरोप गंभीर हैं और उनकी जांच आवश्यक है, लेकिन केवल आरोपों की गंभीरता के आधार पर जमानत देने से इनकार नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि कथित वित्तीय

त्वरित सुनवाई के अधिकार पर भी विचार करना आवश्यक है। अदालत की टिप्पणी का मूल संदेश यही है कि न्यायिक प्रक्रिया के दौरान आरोपी के अधिकारों की अनदेखी नहीं की जा सकती। संविधान का अनुच्छेद

21 प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का संरक्षण प्रदान करता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लंबे समय तक प्री-ट्रायल हिरासत में रहना व्यक्तिगत स्वतंत्रता और शीघ्र सुनवाई के मौलिक अधिकार का उल्लंघन हो सकता है। इसलिए जमानत पर फैसला करते समय केवल अपराध की गंभीरता को ही निर्णायक आधार नहीं बनाया जाना चाहिए। मामले की परिस्थितियों और आरोपी की स्वतंत्रता से जुड़े संवैधानिक पहलुओं पर भी समान रूप से विचार होना चाहिए। पीठ ने यह भी स्वीकार किया कि कथित बड़े वित्तीय अपराध में आरोपियों को जमानत दिए जाने का विरोध करने के लिए राज्य के पास आधार हो सकते हैं। ऐसे मामलों में जांच की जरूरत, आरोपों की प्रकृति और कथित अनियमितताओं के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं

किया जा सकता। इसके बावजूद अदालत ने स्पष्ट किया कि गंभीर आरोप जमानत से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर पूरी तरह हावी नहीं हो सकते। किसी आरोपी को केवल इसलिए लंबे समय तक जेल में रखना उचित नहीं होगा कि उसके खिलाफ लगाए गए आरोप गंभीर हैं। जल जीवन मिशन से जुड़े इस मामले में नियमित जमानत देने का निर्णय इसी कानूनी सिद्धांत के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अदालत ने एक ओर कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच की आवश्यकता को स्वीकार किया, वहीं दूसरी ओर विचारधीन आरोपियों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता और त्वरित सुनवाई के अधिकार पर भी जोर दिया। इस प्रकार पीठ की टिप्पणी ने स्पष्ट किया कि आपराधिक न्याय व्यवस्था में जांच और अभियोजन की जरूरतों के साथ संवैधानिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी का व्यापक महत्व विचारधीन कैदियों की स्थिति से जुड़ा है। किसी भी आपराधिक मामले में आरोप तय होना या जांच जारी रहना अपने आप में दोष सिद्ध होने के समान नहीं है। मुकदमे के अंतिम निष्कर्ष से पहले आरोपी की हिरासत को सजा का विकल्प नहीं बनाया जा सकता। अदालत ने इसी सिद्धांत को रेखांकित करते हुए कहा कि न्यायिक प्रक्रिया में तेजी और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा दोनों महत्वपूर्ण हैं।

श्रीलंका में 2,400 किलो तेंदूपत्ता तस्करी की कोशिश नाकाम, सात भारतीय गिरफ्तार

कोलंबो। श्रीलंका में समुद्री मार्ग से तेंदूपत्ते की कथित तस्करी की कोशिश का मामला सामने आया है। श्रीलंकाई नौसेना ने कार्रवाई करते हुए सात भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से करीब 2,400 किलोग्राम तेंदूपत्ता बरामद किया गया, जिसे 60 बोरियों में भरकर ले जाया जा रहा था। इस मामले में चार श्रीलंकाई नागरिकों को भी हिरासत में लिया गया है। नौसेना की इस कार्रवाई के बाद समुद्री रास्ते से होने वाली संदिग्ध गतिविधियों और सीमावर्ती जलक्षेत्र में निगरानी को लेकर चर्चा तेज हो गई है।



श्रीलंकाई नौसेना के अनुसार, पश्चिमी नौसैनिक कमान को तेंदूपत्ते की कथित तस्करी से संबंधित पुष्टा सूचना मिली थी। इस सूचना के आधार पर बुधवार को समुद्री क्षेत्र में निगरानी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नौसेना के जवानों ने पुडुलम जिले के उदयपुरा तट के पास दो संदिग्ध भारतीय नौकाओं और दो स्थानीय श्रीलंकाई छोटी नावों को रोककर उनकी जांच की। जांच के दौरान भारतीय नौकाओं पर सवार सात लोगों को हिरासत में लिया गया। वहीं, स्थानीय नावों पर मौजूद चार श्रीलंकाई नागरिकों को भी पूछताछ के लिए पकड़ा गया। नौसेना की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, भारतीय नौकाओं से कुल लगभग 2,400 किलोग्राम तेंदूपत्ता बरामद हुआ। यह सामग्री 60 बोरियों में रखी गई थी। इतनी बड़ी मात्रा में तेंदूपत्ता मिलने के बाद नौसेना ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित लोगों को हिरासत में लिया। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि तेंदूपत्ता कहाँ से लाया गया था, इसे श्रीलंका में किस स्थान तक पहुंचाया

जाना था और इस कथित तस्करी के पीछे कौन लोग शामिल थे। बताया गया है कि कार्रवाई खुफिया सूचना के आधार पर की गई। सूचना मिलने के बाद नौसेना ने संबंधित समुद्री क्षेत्र में निगरानी बढ़ाई और संदिग्ध नौकाओं की गतिविधियों पर नजर रखी। इसके बाद उदयपुरा तट के पास दोनों भारतीय नौकाओं और दो स्थानीय नावों को रोकना गया। नौकाओं की जांच और सवार लोगों से पूछताछ के दौरान तेंदूपत्ते की खेप का पता चला। इस कार्रवाई में भारतीय

विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। इसलिए बरामद सामग्री को लेकर आगे की जांच महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

इस मामले में दो भारतीय नौकाओं के साथ दो स्थानीय श्रीलंकाई नावों को रोकना जाना भी जांच का अहम पहलू है। नौसेना यह पता लगाने की कोशिश कर सकती है कि चारों नौकाओं के बीच किस तरह का संपर्क था और क्या वे एक ही गतिविधि का हिस्सा थीं। फिलहाल उपलब्ध जानकारी में उनके बीच संबंधों या किसी संगठित नेटवर्क की भूमिका की पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में जांच के निष्कर्ष सामने आने के बाद ही पूरे घटनाक्रम की तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी। श्रीलंकाई नौसेना की इस कार्रवाई ने समुद्री मार्ग से सामान के परिवहन और संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी के महत्व को एक बार फिर सामने ला दिया है। समुद्री क्षेत्र में चलने वाली नौकाओं की पहचान, उनका मोबाइल की जांच और खुफिया सूचनाओं के आधार पर की जाने वाली कार्रवाई अवैध गतिविधियों को रोकने में अहम भूमिका निभाती है। इस मामले में भी सूचना मिलने के बाद चलाए गए अभियान के दौरान बड़ी मात्रा में तेंदूपत्ता बरामद किया गया।

फिलहाल सात भारतीय नागरिकों और चार श्रीलंकाई नागरिकों को हिरासत में लिए जाने तथा 2,400 किलोग्राम तेंदूपत्ता बरामद होने की जानकारी सामने आई है। मामले में आगे की जांच के जरिए यह स्पष्ट होना बाकी है कि खेप का वास्तविक स्रोत क्या था, इसे कहाँ पहुंचाया जाना था और इसमें शामिल लोगों की भूमिका क्या थी। जांच पूरी होने के बाद ही कथित तस्करी की पूरी योजना और उसके संभावित नेटवर्क के बारे में स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

त्रिपुरा के युवक पर आपत्तिजनक टिप्पणी, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर पर केस दर्ज

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर के त्रिपुरा निवासी एक युवक पर कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी करने और उसका मजाक उड़ाने के मामले में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर आभिर शौकीन के खिलाफ दिल्ली में प्राथमिकी दर्ज की गई है। सदर बाजार थाने में दर्ज इस मामले ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है। युवक के प्रति कथित अपमानजनक व्यवहार वाला वीडियो वायरल होने के बाद पूर्वोत्तर के लोगों और विभिन्न छात्र संगठनों ने नाराजगी जताई। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

दिल्ली पुलिस ने इस मामले में खुद शिकायतकर्ता बनकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। उत्तरी जिले की डीसीपी निहारिका भट्ट के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो और उससे जुड़े घटनाक्रम को ध्यान में रखते हुए कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पहले भी आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। आरोपी की तलाश में लगातार छापेमारी

जांच और कानूनी प्रक्रिया के तहत ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर विरोध शुरू हो गया। पूर्वोत्तर के लोगों और छात्र संगठनों ने कथित टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए कार्रवाई की मांग की। इस घटना ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर किसी व्यक्ति की पहचान, क्षेत्रीय पृष्ठभूमि या रूप-रंग को लेकर अपमानजनक टिप्पणियों के मुद्दे को चर्चा में ला दिया है। वायरल वीडियो के संबंध में पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की, ताकि पूरे घटनाक्रम की जांच की जा सके और आरोपों के आधार पर आवश्यक कानूनी कदम उठाए जा सकें। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद दिल्ली पुलिस की साइबर सेल की आईएफएसओ यूनिट और उत्तरी जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने गुरुवार सुबह आरोपी के बाड़ा हिंदू राव स्थित आवास पर दबिश दी। हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी घर से फरार हो गया था। पुलिस के मुताबिक, उसका मोबाइल फोन भी बंद मिला। इसके बाद से पुलिस उसकी लोकेशन का पता लगाने और उसे पकड़ने के प्रयास कर रही है। आरोपी की तलाश में लगातार छापेमारी

की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वह कहाँ गया है और उससे संपर्क स्थापित करने के लिए कौन-कौन से संभावित रास्ते अपनाए जा सकते हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी के परिवार से जुड़े लोगों ने भी उसके व्यवहार को लेकर नाराजगी जाहिर की है। उसके चचेरे भाई वसीम ने बताया कि परिवार ने कथित आपराधिक गतिविधियों के कारण करीब दस साल पहले ही उससे संबंध तोड़ लिए थे। परिवार की ओर से सामने आया यह बयान भी मामले के बाद चर्चा में है। हालांकि, परिवार के सदस्यों के बयान और आरोपी के खिलाफ दर्ज मौजूदा मामले की जांच अलग-अलग तथ्यों के आधार पर की जाएगी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए त्रिपुरा सरकार ने भी कार्रवाई की पहल की है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा के निर्देश पर राज्य पुलिस की एक विशेष टीम जांच के सिलसिले में दिल्ली रवाना हुई है। यह टीम दिल्ली पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर मामले की जांच में सहयोग करेगी। पुलिस का प्रयास है कि आरोपी की लोकेशन का पता लगाकर उसे गिरफ्तार किया जाए और वायरल वीडियो से संबंधित सभी

पहलुओं को पड़ताल की जाए। दोनों राज्यों की पुलिस के बीच समन्वय से जांच को आगे बढ़ाने की तैयारी की गई है।

इस मामले पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने भी सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने वीडियो को लेकर कहा कि पुलिस इस मामले में सख्त कार्रवाई करेगी। उनके बयान के बाद प्रकरण को लेकर चर्चा और तेज हो गई। पूर्वोत्तर के लोगों के साथ कथित अपमानजनक व्यवहार को लेकर सोशल मीडिया पर भी विरोध देखने को मिला है। लोगों ने घटना पर नाराजगी जताते हुए जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। फिलहाल दिल्ली पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है और त्रिपुरा पुलिस की विशेष टीम भी जांच में सहयोग करने के लिए दिल्ली पहुंच रही है। पुलिस के सामने वायरल वीडियो से जुड़े तथ्यों की पुष्टि करने, घटना की परिस्थितियों को समझने और आरोपी तक पहुंचने की चुनौती है। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद मामले में कानूनी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। अब जांच के निष्कर्ष और आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ही घटनाक्रम के अन्य पहलुओं को लेकर स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

नवसर्जन संस्कृति

हिन्दी

JioTV

CHENNAL NO. 2063

Jio Air Fiber

Jio Tv +

Jio Fiber

Daily Hunt

ebaba Tv

Dish Plus

DTH live OTT

Rock TV

Airtel

Amezone Fire

Roku Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार प्राप्त करने के लिए आज ही नवसर्जन संस्कृति हिंदी चैनल देखिये

संपादकीय

संघ प्रमुख का सतर्क नागरिक भूमिका पर बल

विदेशी स्वयं सेवक संघ के स्थापना दिवस पर होने वाला बहुचर्चित दशहरा संबोधन में संघ प्रमुख ने कहा कि हम सुनिश्चित करें कि हमारी समस्याओं का समाधान विरोध-प्रदर्शनों के बजाय समाज के भीतर से निकले। साथ ही कहा कि भारत को तौड़ने की कोशिशें सफल नहीं होंगी। यह आत्मिक है कि सत्ता बदलने से परिस्थितियाँ बदल जाएँगी। अतीत में भी ऐसा नहीं हुआ और भविष्य में भी न होगा। दरअसल, देश में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ एसआरआर में कथित अपराधों की जांच को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों और बाद में 'रिजिम चेंज' के बयानों के आलोक में भागवत ने ये टिप्पणी की। साथ ही यह भी कहा कि हाल के वर्षों में देश ने तमाम विषय-परिस्थितियों के बावजूद जगत् आशातीत प्रगति की है, उसे बाधित न कर पाने वाले विदेशी ताकतें हमारी एकता को तौड़ने की कोशिशें कर रही हैं। उनका मानना था कि जिन विरोध-प्रदर्शनों की तीव्रता पर राजनीतिक दल रेटियाँ खेचने लगते हैं तो आंदोलन का प्रयोग अराजकता व सार्वजनिक व्यवस्था को भंग करने में होता है। देश को विकसित राष्ट्र बनाने के मार्ग से भटकाने वाली विदेशी ताकतें साधारण को सतर्क रहने की जरूरत है। भागवत ने कहा कि पश्चिम से उठा एक तुफान-संस्कृति, व्यवस्था व सुस्था आदि को नष्ट करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने इस बाबत प्रॉक्स, बांग्लादेश और नेपाल आदि के उदाहरण देकर, इन देशों में हुए आंदोलनों के निहितार्थों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत में भी कुछ लोग ऐसी ही ताकतों का समर्थन करते नजर आते हैं। जिसके मूल में सत्ता हासिल करने की लालसा भी है। भागवत ने परतंत्र भारत में 'देवे मातरम्' को बंगाल की एकता के पर्याय के रूप में दर्शाया। उन्होंने कहा कि जब लॉर्ड कर्जन ने बंगाल को धार्मिक आधार पर विभाजित करने का प्रयास किया तो समाज ने इसका दृढ़ता से विरोध किया। मजबूत ब्रिटिश सरकार को अपना निर्णय वापस लाना पड़ा। विडंबना यह रही कि देश की आजादी के समय ऐसा न हो सका क्योंकि लोग नफरत में उलझ गए और राष्ट्रीय एकता को भूल गए। अंग्रेजों ने लोगों में यह धारणा पैदा की कि हम अलग दिखते हैं, अतः हकीकत में भी अलग और एक-दूसरे से दूर होने चाहिए। दरअसल, सांप्रदायिक और चरमपंथी विचारधाराओं का प्रभाव लोगों पर पड़ा। राजनीतिक चर्चते की लालसा और कुछ लोगों की स्वाधीनता के वक्तव्य के कारण एकता के सिद्धांतों का त्याग कर दिया। तुष्टीकरण की सोच के चलते राष्ट्र का विभाजन हुआ। दरअसल, भागवत की टिप्पणी उन बयानों के जवाब में थी, जिसमें एसआरआर में अनियमितताओं के विरोध में उपजे आंदोलन को सत्ता परिवर्तन की लड़ाई बताया जा रहा था। संघ प्रमुख ने विकास से उपजी चुनौतियों को भी दृष्टिपूर्वक देखा। उन्होंने कहा कि विकास मनुष्य के लिए प्रतिकूल परिणाम पैदा करने वाला नहीं होना चाहिए। उनका इशारा विकास और पर्यावरण असंतुलन के कारण नेपाल में चीन-भयावह जलप्रलय की ओर था। उन्होंने भारत में औद्योगिक व नेपाल में विस्तृत हिमालय पर अनियोजित व पर्यावरण विरोधी विकास के खतरों के प्रति चेताया। साथ ही कहा कि विकास की कीमत लोगों को जान देकर नहीं चुकानी चाहिए। उन्होंने कहा कि विज्ञान व तकनीकी प्रगति से किसी को परहेज नहीं होना चाहिए लेकिन यह विकास पर्यावरण और नैतिकता की अन्धेरी न करे। साथ ही उन्होंने भारत की धार्मिक, भाषायी और खानपान की विविधता को अक्षुण्ण रखने पर भी बल दिया। दूसरी ओर आम नागरिकों की चिंता के साथ ही भागवत की विदेशी शक्तियों द्वारा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संचालित सोशल मीडिया के खतरों के प्रति सचेत दिखे। उन्होंने माना कि ये लोगों को विवेक से हटाकर उनकी सोच को दुष्प्रभावित कर रहा है। कुत्रिम बुद्धिमत्ता के तेज विस्तार ने इस संकट को और बढ़ाया है। उनका मानना था कि यह तेज तकनीक का स्वागत होना चाहिए लेकिन नैतिकता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने सामाजिक विभाजन को बढ़ाने वाले इंटरनेट मीडिया को लेकर सचेत रहने की आवश्यकता पर बल दिया। ताकि वास्तविक चिंताओं पर आम्रक विमर्श व तथ्यों के जर्जरिये लोगों को न भड़काया जा सके। उन्होंने तमाम असहमितियों के बावजूद एकता-सामाजिक सद्भाव बनाये रखने पर जोर दिया।

अभियान

असहमति का आवाज कानून-संविधान विरुद्ध नहीं



हती है। जनतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता बदलने का एकमात्र उचित तरीका जनता का विश्वास प्राप्त करना है। अब तक जनता के वोट से ही सरकारें बनती और बदलती रही हैं और आगे भी जनता का विश्वास प्राप्त करना ही सरकार बनाने का वैध तरीका होगा। मतदाता के पास जाकर और उसका विश्वास जीतकर ही कोई चुनाव जीता जा सकता है।

चुनाव आयोग पर 'अनियमितताओं' का आरोप लगाकर विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग कर रहा है। आरोप यहि सही हैं, तो इस मांग में कहीं कुछ गलत नहीं है। लेकिन हमारी व्यवस्था के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त को निर्धारित संवैधानिक प्रक्रिया के तहत ही पर से हटाय जा सकता है। विपक्ष उसने इस्तीफे की मांग भी कर सकता है। देश में जिस तरह अलग-अलग स्थानों पर चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं, उसे देखते हुए स्थिति सुधारने की दिशा में तत्काल कुछ ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। अब विश्व चुनाव आयुक्त

का त्यागपत्र ही नहीं मांगा रहा, बल्कि सरकार बदलने की बात भी हो रही है। अब एक बार विपक्ष यह नारा जोर पकड़ रहा है कि 'जो सरकार निकम्मी है, वह सरकार बदलनी है'। यह बात फिर से रेखांकित किया जाना जरूरी है कि हमारे देश में सरकार मतदाता ही बदल सकता है। सत्तापक्ष अब ज़ोरों से यह बात कहने लगा है कि देश में चल रहे वर्तमान आंदोलन का उद्देश्य चुनाव आयुक्त को हटाना नहीं, बल्कि सरकार बदलना है। भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार अब यह आरोप लगाने में लगी है कि विपक्ष और देश-विरोधी ताकतों ने सत्ता प्राप्त करना चाहती हैं—और वह भी हमारे पड़ोसी नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे देशों की तर्ज पर !

यदि आज कोई बांग्लादेश से प्रेरणा लेकर भारत में सत्ता-परिवर्तन की बात कर रहा है, तो यह उसका निजी विचार हो सकता है। उसे यह समझने की आवश्यकता है कि जनतांत्रिक मूल्यों में विश्वास करने वाले हमारे भारत में सत्ता-परिवर्तन वैध तरीके से ही हो सकता है और वह वैध तरीका वोट

का त्यागपत्र ही नहीं मांग रहा, बल्कि सरकार बदलने की बात भी हो रही है। अब एक बार फिर यह नारा को पकड़ रहा है कि 'जो सरकार निकम्मी है, वह सरकार बदलनी है।' यह बात फिर से रेखांकित किया जाना जरूरी है कि हमारे देश में सरकार मतदाता ही बदल सकता है। सत्ताधर और जोरा से यह बात कहने लगा है कि देश में चल रहे वर्तमान आंदोलन का उद्देश्य चुनाव आयुक्त की हटाना नहीं, बल्कि सरकार बदलना है। भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार अब यह आरोप लगाने में लगी है कि विश्व और देश-विरोधी ताकतें सत्ता प्राप्त करना चाहती हैं—और वह भी हमारे पड़ोसी नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे देशों की तर्ज पर ! यदि आज कोई बांग्लादेश से प्रेरणा लेकर भारत में सत्ता-परिवर्तन की बात कर रहा है, तो यह उसका निजी विचार हो सकता है। उसे यह समझने की आवश्यकता है कि जनताधिकार मूल्यों में विश्वास करने वाले हमारे भारत में सत्ता-परिवर्तन वध तरीके से ही हो सकता है और वह वैध तरीका वोट

इशा देने और अलग-अलग समूहों के तालमेल स्थापित करने में मदद मिले। परिचोजना का संचालन सुचारु होने के कलाम ने यह साबित किया कि किसी को सफल बनाने के लिए केवल व्यक्ति पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। इसका का उचित विधान, सहयोग होने पर स्पष्ट लक्ष्य भी जरूरी हैं। इस प्रसंग में एक महत्त्वपूर्ण बात डॉ. कलाम ने अपनी जिम्मेदारी निभाने दूसरों की क्षमताओं को कमतर न प्रयास नहीं किया। उन्होंने यह साबित कर दिखाया कि नहीं की कि वह संस्था या योग्य वैज्ञानिक हैं। इसके बजाय उन्हें अवसर का उपयोग अपनी कार्यक्षम करने और परिचोजना को आगे बढ़ाने यही एक अच्छे कार्यकर्ता और प्रभावशाली की पहचान है। वह अपनी सफलता की असफलता से नहीं जोड़ता, बल्कि क्षमताओं का उपयोग करके बेहतर परिणामों का प्रयास करता है। हमारे दैनिक जीवन में भी ऐसी परिस्थितियाँ सामने आती हैं। किसी विद्यार्थी को विषय प्रकट लगता है कि वह पठित प्रदर्शन नहीं कर पाएगा। किसी कमिश्नर जिम्मेदारी मिलने पर संदेह होता है कि वह विरष्टों की अपेक्षाओं पर खरा उतर नहीं। कोई नया व्यवसाय शुरू करने पर अनुभव व्यापारियों को देखकर स्वयं को समझने लगता है।

ही है। सतर के दशक में देश में 'सिंहासन खाली करने की जितना आती है' का नारा लगा था। इस नारे में सिंहासन खाली करने की बात जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण यह बात भी है कि इसमें जनता के आने का दुहाई दी गई है। आज यदि कुछ तत्वों को यह लग रहा है कि वे वोट के अलावा किसी और तरीके से देश में सत्ता-परिवर्तन कर सकते हैं, तो यह उनकी खुशफहमी या नादानी ही हो सकती है। पिछले आठ दशकों का हमारा अनुभव और इतिहास इस बात का साक्ष्य है कि हमारी जनतांत्रिक परंपराओं की जड़ें बहुत मजबूत और गहरी हैं। आजादी प्राप्त करने के बाद के पांच-छह दशकों तक देश में कांग्रेस पार्टी का शासन रहा। फिर जनता के वोट से ही इसे बदला जा सका। मतदाता ने अपने वोट की ताकत से इंदिरा गांधी की सरकार को हटाया भी और फिर से स्थापित भी किया। अब भी, जब देश में कोई ऐसा परिवर्तन होगा, तो वोट की ताकत से ही होगा। भारत के नागरिकों को किसी बांग्लादेश या नेपाल से प्रेरणा लेने नहीं है उनकी नकल करने की आवश्यकता नहीं है।

सोतालूह भैंस यह स्वाकार को अथवा नहीं, लेकिन यह हकीकत है कि आज देश एक तनावपूर्ण स्थिति से गुजर रहा है। उपजानवों में सत्तापक्ष की जीत का मतलब यह नहीं है कि सब कुछ 'चंगा' है। जिस तरफ देश भर में अलग-अलग तरिकों से जन-आक्रोश सामने आ रहा है, वह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि हमारे में निराशा भी है और यह अहसास भी है कि हमारे राजनीतिक दल देशहित से कहीं अधिक महत्व अपने स्वार्थों को दे रहे हैं। बहरहाल, यहां इस बात को समझने की आवश्यकता है कि नकता की कुंठा और आवस्था को न तो नजारा जाना चाहिए और न ही उसे हल्के में लिया जाना चाहिए। यह जन-आक्रोश कुछ भड़किले नरों और लोकलुभावन कारवाइयों से शांत नहीं होगा। साथ ही, सत्ता में बैठे लोगों को यह भी

समझना होगा कि यदि आज देश के युवा और अन्य आंदोलनकारी तत्व सत्ता-परिवर्तन की बात कर रहे हैं, तो यह न तो संविधान-विरोधी है और न ही जनतांत्रिक परंपराओं एवं मूल्यों के विपरीत है। विपक्ष का दायित्व है कि वह सत्तारूढ़ पक्ष की कमियों को उजागर करे, उसकी नीतियों की जांच-पछक करे और देश के नागरिकों को वैकल्पिक सोच से परिचित कराए। आज देश में जिस तरह के आंदोलन चल रहे हैं, वे कुल मिलाकर संवैधानिक अधिकारों की मांग करते हैं। नारे लगाने वाले युवा और अन्य वर्ग व्यवस्था तथा सत्ता से जवाबदेही मांग रहे हैं। बदलाव का एक कारगर माध्यम ये आंदोलन भी हैं। जंतर-मंतर या अन्य स्थानों पर आंदोलन करने वाले लोग चुनावों में परादरशिता की मांग कर रहे हैं और नारियल एवं वैधानिक अधिकारों की सुरक्षा चाहते हैं। आंदोलनकारियों का मानना है कि असमर्पित की आवाज उठाना और कानून के शासन की मांग करना उनका दायित्व भी है और अधिकार भी।

आज यदि उन्हें 'रिजोम चैन' की मांग करने के आधार पर देशद्रोही ठहराया जा रहा है, तो इसे जनता को बरताने की एक कोशिश के रूप में ही देखा जाएगा। किसी भी सरकार को बदलने में मांग करना किसी भी दृष्टि से गलत नहीं है। हां, बल बढाव का तरीका संवैधानिक और जनतांत्रिक ही हो सकता है। आज न तो भारत की स्थिति बांग्लादेश जैसी है और न ही 'रिजोम चैन' जैसे शब्दों से किसी को डरने या डराने की आवश्यकता है। सरकारों का बनना और बदलना जनतंत्र की एक विशेषता है। यदि प्रतिपक्ष इस दिशा में प्रयास नहीं करता, तो यह उसके अपने कर्तव्य का पालन न करने के समान होगा। सत्तारूढ़ पक्ष को आईना दिखाना प्रतिपक्ष का काम है। जन-आंदोलन भी यही काम करते हैं, अथवा उन्हें यही काम करना चाहिए। सत्तारूढ़ पक्ष और प्रतिपक्ष, दोनों को इस तथ्य को समझना होगा।

મોદી માંડલ પર ચુનાવ લડને ચલે છે

ट्रंप, 9 सर्वे में जनता ने किया रिजेक्ट

अब 2 साल कठपुतली बनकर रहेंगे!

भी धमकाया जाने पसंद नहीं करता। फिर भी हम खड़े हैं, हम धरती पर सबकी बाढ़ मारशालि है और हर कोई हमारे हिस्से का खा रहा है। यह ठीक नहीं है। अगर मैं अपना धंधा ऐसे चलाता तो खुद को बाहर कर दता। अमेरिका को फिर से लुप्ताना शुरू करना होगा। आओ हम सब मिलकर अमेरिका को मजबूत बनाएं और उसे फिर से महान बनाएं। इन शब्दों के साथ अकड़ते और हवा में मुटुधियां लहराते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने 2 जून 2025 में दुनिया की सबसे ताकतवर कुर्सी को हासिल करने के लिए अपने शुरुआती चुनाव प्रचार को जीत के साथ समाप्त किया था। कट टूट 2024 हम अपने देश को ठीक करने में मदद करने जा रहे हैं। हमारे पास एक ऐसा देश है जिसे मदद की जरूरत है और उसे मदद की सख्त जरूरत है। हम अपनी सीमाएं फिक्स करने जा रहे हैं। हम सब कुछ फिक्स करने जा रहे हैं। इन लाहनों के साथ अपनी चुनावी जीत के बाद ट्रंप ने ये दर्यायाथी अपने बालों बालों में कुर्सी संभालने के बाद उनके तेल कैसे रहने वाले हैं। जनवरी 2024 में दोबारा से शपथ लेने के तुरंत बाद इन्होंने कहा कि मैंने अप्रवासियों को बहुत गड़बड़ सट्टीशनशिप में अवरलिया। फिर कहा ड्राइवव गार्ड निकालो हमें ड्रैगपुलओ से बाहर जाना है। फिर कहा क्लाईमेट चेंज बकवास है। अमेरिका पेरिस समझौते जैसी फालतू चीज में शामिल नहीं होगा। दुनिया मतलब राष्ट्रपति बने थे अमेरिका के लेकिन दुनिया को ये पछाह रहे थे कि नहीं मैं पूरी दुनिया का राष्ट्रपति बन गया हूं। जिसे चाह रहे थे उसे धमका रहे जिसे जैसे चाह रहे थे उसके साथ वया वया कर रहे थे। किसी की बेइज्जती वाइट हाउस में बिठाकर कर रहे थे। तो किसी की बेइज्जती अपने बयान में बयानों में कर रहे थे। न क्या आप यकीन कर सकते कि वही ट्रंप जो दुनिया को धमका रहे थे अब से पहले तक वो ट्रंप आज गिडिगिडा रहे हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें बढ़ती दिखाई दे रही हैं। एक तरफ देश में महंगाई और बढ़ती कीमतों से आम जनता परेशान है तो दूसरी तरफ ट्रंप की लोकप्रियता में भी लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। मध्य एशिया इन सभका असर मतलब में होने वाले मध्यएशियानी किरिड टर्म चुनाव पर दिखाई दे सकता है। अमेरिका में 3 नवंबर को मिड टर्म चुनाव होने हैं और इन चुनाव से यह तथ्य होगा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गिरफ्तार पाटी अमेरिकी संसद यानी कि कांग्रेस के दोनों सदनों में आप अपना बहुमत बचा पाती है या फिर नहीं। लेकिन चुनाव से ठीक पहले सामने आए कई सर्वेक्षणों यानी कि सर्वे में रिपब्लिकन पार्टी की लिंग बढ़ रही है। इन सर्वेक्षणों में डेमोक्रेटिक पार्टी को बहुत मिलती दिखाई दे रही है और सबसे बड़ी बात यह है कि अमेरिकी मतादाता अब अर्थव्यवस्था, महंगाई और सरकार की नीतियों को लेकर सवाल उठा रहे हैं। कई लोगों का मानना है ट्रंप की नीतियों की वजह से उनकी रोजगारी की जिंदगी और बेरोजगारों की बढ़ रही है यानी महंगाई बढ़ी है। ऐसे में सवाल है क्या अमेरिका की जनता ट्रंप सरकार को कामकाज से नाराज है? क्या यह नाराजगी चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को भारी पड़ सकती है? और आप डेमोक्रेटिक पार्टी जीत जाते हैं तो ट्रंप के लिए आपकी यह किताबें मुश्किल हो जायेंगी? आइए इस पूरी राजनीति तस्वीर का पताआओर कैप्शन करने दें।आपने देखा होगा किमस तरीके से अमेरिका ने रशिया से डीजल खरीदने की डील की वो कोई आम डील नहीं थी। वो डीजल जरूर आम हो सकता है। 3 लाख टन डीजल जरूर आम सी बात हो सकती है। जरूर किसी और देश से ज्यादा पैसे में अमेरिका खरीद सकता था उस डील को लेकिन रशिया के सामने ही क्यों इछे दिल गिडिगिडा? क्यों यूक्रेन को अकेला छोड़ दिया? जिस यूक्रेन बिलियंस ऑफ डॉलर लिए कि रूस के साथ लड़ाई करे। मतलब दुनिया में बहुत सारी चीजें ऐसे जाना का साथ छोड़े दिया। साथथ कोरिया को मना कर दिया। यूक्रेन का नेंत बंद करवा दिया। आइवर्नो मस्क के यूरोप का नेत की स्पेड घटाया दी। डेनामार्क को धमका दिया किमें प्रीनलेड चाहिये ही चाहिये। वो ट्रंप आज दुनिया के सामने गिडिगिडा रहे हैं। दुनिया में भी पहले रूस के सामने गिडिगिडा और भारत में उनका संदेश लेकर मार्को रुबियो फिलहाल भारत में मौजूद हैं। मार्को रुबियो जानमगर रिफाइनरी में गए। जानमगर की रिफाइनरी वो रिफाइनरी है जो रेगेनाना 14 लाख बैरल तेल की रिफाइनरी करती है। वो जेनयुएल के तेल पर कब्जा तो अमेरिका ने कर लिया लेकिन उस रिफाइनरी नहीं कर सकता। उसके लिए भारत की जरूरत होगी। आज अमेरिका को डीजल की जरूरत है। पेट्रोल की जरूरत है और इसी वजह से जो अप्रुवल रेंटिंग है ट्रंप की वो लगातार घटती जा रही है क्योंकि अमेरिका में महंगाई लगातार बढ़ रही है। अमेरिका में रहना मुश्किल हो गया है। अमेरिका में रहना महंगा हो गया है। खाना महंगा हो गया है। ऊर्जा महंगा हो गई है। तो अब विजय में जाने वाले ट्रंप पर रिपब्लिकन पार्टी डेमोक्रेटिक पार्टी है। दोनों पार्तियों चुनाव में जाने वाली है। 3 नवंबर को यह चुनाव है। ट्रंप चाहते हैं कि 3 नवंबर से पहले लगभग 10-12 दिन जो है उससे पहले पहले वो सब कुछ ठीक कर लें। जो महंगाई आउट ऑफ कंट्रोल जा चुकी है उसे वो कंट्रोल कर रहे हैं। कई रिपोर्टर दावा करती है कि अमेरिका में रहने वाले चार करोड़ से से तीन लोग ट्रंप से नफरत करते हैं। ट्रंप की नीतियों का समर्थन नहीं करते। मतलब 25% लेकिन कुछ रिपोर्टर फिर भी थोड़ा सा दावा करते हैं कि नहीं थोड़ी सी इज्जत बचूई हुई है और अभी लगभग 31% तक ट्रंप की अप्रुवल रेंटिंग है। आपको बता दें कि अप्रुवल रेंटिंग जो होती है वो डोनाल्ड ट्रंप की गिरती जा रही है। अब अप्रुवल रेंटिंग का मतलब यह होता है किनारे लोग राष्ट्रपति के कामकाज से संतुष्ट है और किनारे लोग उससे असहमत हैं। एनबीसी यूएस के एक रिपोर्टर के मुताबिक सिर्फ 34% अमेरिकी लोग के कामकाज से संतुष्ट हैं। जबकि 66% लोगों ने उनके दर्शन पर असहमति जताई है। इस सर्वेक्षण में 51% लोगों ने तो ट्रंप के कामकाज से बहुत ज्यादा असहमति जताई है और यह उनके बहुत कार्यकाल के दौरान इस सर्वे में दर्ज किया जा किया गया सबसे ऊंचा आंकड़ा बताया जा रहा है। वहीं वॉशिंगटन पोस्ट एनबीसी यूएस और जो एपसमें से सर्वे हुए हैं उसमें ट्रंप के अप्रुवल रेंटिंग सिर्फ 33% सामने आई है।

“

किसी बदलाव का तरीका संवैधानिक

और जनतांत्रिक हो सकता है। आज

न तो भारत की
स्थिति बांग्लादेश

जसा ह आर न हा
'रिजीम चेंज' जैसे

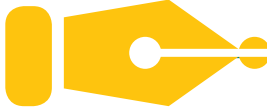
शब्दों से किसी की
डरने या डराने की

आवश्यकता है।
सरकारों का बनना

जनतंत्र की एक

विशेषता है।

प्रेरणा



विश्वास की ताकत से मिली सफलता की नई राह

मैसी भी व्यक्ति के जीवन में ऐसे अवसर आते हैं, जब उसे अपनी योग्यता और क्षमता पर संदेह होने लगता है। सामान्य बड़ी चुनौतियों को, जिमेदारी अधिक होती और आसपास अनुभवी लोगों की मौजूदगी होती, जो आत्मविश्वास डगमगाना स्वाभाविक है। लेकिन ऐसे समय में व्यक्ति की सोच और निर्णय लेने की क्षमता ही उसके भविष्य की दिशा तय करती है। जो लोग कठिन परिस्थितियों में घबराने के बजाय सीखने, समझने और आगे बढ़ने का प्रयास करते हैं, वे धीरे-धीरे अपनी कमजोरियों को ताकत में बदल लेते हैं। सफलता के लिए हमेशा सबसे अधिक ज्ञानवान होना जरूरी नहीं है, बल्कि अपने ज्ञान का सही उपयोग करना, दूसरों के साथ मिलकर काम करना और परिस्थितियों के अनुरूप निर्णय लेना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। भारत के मानव वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन से जुड़ा एक प्रसंग इस बात को प्रभावशाली ढंग से सामने रखता है कि विद्यार्थी और सही मार्गदर्शन प्राप्त प्रकार किसी व्यक्ति की कार्यक्षमता को नई दिशा दे सकते हैं।

विक्रम साराभाई अंतरिक्ष दस्ते में भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए सैलैलाइट लॉन्च व्हीकल यानी एसएलवी परियोजना पर काम किया जा रहा था, जिस एक महत्त्वपूर्ण वैज्ञानिक अभियान था, जिसमें तकनीकी चुनौतियों का समाधान करना था। परियोजना की सफलता के लिए वैज्ञानिकों के सामूहिक प्रयासों के साथ-साथ अलग-अलग क्षेत्रों में प्रबंधन की आवश्यकता थी। कलाम-अजल का उचित काम रहे विशेषज्ञों के बीच तालमेल बनाए रखना, कार्यों की प्रगति पर

मान देना और निर्मातृ लक्ष्यों की ओर लगातार आगे बढ़ना बड़ी जिम्मेदारी थी। परियोजना को व्यवस्थित रूप से आगे ले जाने के लिए ऐसे व्यक्ति की जरूरत महसूस हुई, जो वैज्ञानिक समझ के साथ लोगों को साथ लेकर चलने की क्षमता भी रखता हो।

इस आवश्यकता को देखते हुए डॉ. ब्रह्म प्रकाश और डॉ. धवन ने विचार-विमर्श किया। दोनों विद्वत् वैज्ञानिकों के नेतृत्व में, एपीजे अब्दुल कलाम को जिम्मेदारी के योग्य माना और उन्हें एसएलवी प्रसन्न कलाम का प्रबंधन नियुक्त करने का निर्णय लिया। जब वे डॉ. कलाम के पास पहुंचे और उन्हें महत्वपूर्ण दायित्व के बारे में बताया, तो इन्होंने कुछ क्षणों के लिए आश्चर्यचकित रह गए। इतनी बड़ी परियोजना की जिम्मेदारी उनके सामने थी। लेकिन उनके मन में सबसे पहले यह विचार आया कि संस्थान में उनसे अधिक अनुभवी और योग्य वैज्ञानिक भी मौजूद हैं।

डॉ. कलाम ने अपनी बात रखते हुए कहा कि जब उनसे अधिक क्षमतावाना लोग संस्थान में हैं, तो वह इस जिम्मेदारी को किस प्रकार संभाल पाएंगे? उनसे इस प्रश्न में अपनी योग्यता को लेकर संकोच था, लेकिन साथ ही यह भावना भी थी कि वह अपने दायित्व को पूरी गंभीरता से निभाना चाहते हैं। वह किसी ऐसे जिम्मेदारी को स्वीकार करने से पहले उसके महत्त्व और उससे जुड़ी अपेक्षाओं को समझना चाहते थे।

डॉ. ब्रह्म प्रकाश ने उनकी इस आशंका को दूर करने के लिए समझाया कि अपनी तुलना दूसरों से करना किसी व्यक्ति को वास्तविक क्षमता का सही

अकलम नहीं है। हर व्यक्ति की अपनी विशेषताएँ होती हैं। किसी के पास अधिक अनुभव हो सकता है, तो किसी में समस्याओं का समाधान खोजने की बेहतर क्षमता हो सकती है। कोई तकनीकी विषयों में निपुण हो सकता है, तो कोई लोगों के बीच समन्वय स्थापित करने में कुशल हो सकेगा है। किसी बड़े काम की सफलता के लिए इन सभी गुणों का महत्व होता है। इसलिए व्यक्ति को यह सोचने के बजाय कि दूसरा उससे बेहतर है, यह विचार करना चाहिए कि वह अपनी योग्यता का अधिक प्रभावी उपयोग कैसे कर सकता है।

उन्होंने डॉ. कलाम को भरोसा दिलाया कि उन्हें यह जिम्मेदारी सौच-सम्भालकर सौंपी गई है। वरिष्ठ वैज्ञानिकों का विश्वास उनके लिए केवल प्रोत्साहन के शब्द नहीं थे, बल्कि अपनी क्षमताओं को पहचानने का अवसर भी था। कभी-कभी व्यक्ति स्वयं के भीतर मौजूद गुणों को उस समय तक नहीं पहचान पाता, जब तक कोई अनुभवी व्यक्ति उसे उसकी क्षमता का एहसास नहीं कराता। उचित मार्गदर्शन व्यक्ति की सोच बदल सकता है और उसे अपनी जिम्मेदारियों के प्रति अधिक सकरात्मक बना सकता है।

डॉ. कलाम ने इस विश्वास को स्वीकार किया और परियोजना का कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने चुनौती को व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय बनाने के बजाय काम को बेहतर ढंग से संचालित करने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने परियोजना के कार्यों को तीन समूहों में विभाजित किया, जिससे पूर्ण निष्पक्षता और निष्ठा के रूप से व्यवस्थित रूप से पवित्र किया जा सके। इस व्यवस्था से कामकाज को स्पष्ट

दिशा देने और अलग-अलग समूहों के प्रयासों में तालमेल स्थापित करने में मदद मिले। धीरे-धीरे परिचोजना का संचालन सुचारु होना लगा। डॉ. कलाम ने यह साबित किया कि किसी बड़े कार्य को सफल बनाने के लिए केवल व्यक्तिगत प्रतिभा पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए कार्यों का उचित विभाजन, सहयोग की भावना और स्पष्ट लक्ष्य भी जरूरी हैं।

इस प्रसंग में एक महत्त्वपूर्ण बात यह है कि डॉ. कलाम ने अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए दूसरों की क्षमताओं को कमतर दिखाने का प्रयास नहीं किया। उन्होंने यह साबित करने की कोशिश भी नहीं की कि वह संस्थान के सबसे योग्य वैज्ञानिक हैं। इसके बजाय उन्होंने उपलब्ध अवसर का उपयोग अपनी कार्यक्षमता प्रदर्शित करने और परिचोजना को आगे बढ़ाने में किया। यही एक अच्छे कार्यकर्ता और प्रभावी नेतृत्वकर्ता की पहचान है। वह अपनी सफलता को दूसरों की असफलता से नहीं जोड़ता, बल्कि सबकी क्षमताओं का उपयोग करके बेहतर परिणाम प्राप्त करने का प्रयास करता है।

हमारे दैनिक जीवन में भी ऐसी परिस्थितियाँ बार-बार सामने आती हैं। किसी विद्यार्थी को कठिन विषय पढ़कर लगता है कि वह पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाएगा। किसी कर्मचारी को नई जिम्मेदारी मिलने पर संदेह होता है कि वह अपने वरिष्ठों की अपेक्षाओं पर खरा उतर सकेगा या नहीं। कोई नया व्यवसाय शुरू करने वाला व्यक्ति अनुभवी व्यापारियों को देखकर स्वयं को कमजोर समझने लगता है।

अब 2 साल कटपुत

“कोई भी हारने वाले को पसंद नहीं करता। कोई भी धमकाया जाना पसंद नहीं करता। फिर भी हम खड़े हैं, हम धरती पर सबसे बड़ी महाशक्ति हैं और हर कोई हमारे हिस्से का खा रहा है। यह ठीक नहीं है। अगर मैं अपना धंधा ऐसे चलता तो खुद को बाहर कर दूँ। अमेरिका को फिर से जीतना शुरू करना होगा। आओ हम सब मिलकर अमेरिका को मजबूत बनाएं और उसे फिर से महान बनाएं।” इन शब्दों के साथ एकड़ड और जुनो में मुटिया लहराते हुए डोनाल्ड जॉन ट्रंप ने जून 2015 में दुनिया की सबसे ताकतवर कुर्सी को हासिल करने के लिए अपने शुरू किए चुनाव चर्चार को जीत के साथ समाप्त किया था। कट 2024 को जैत के साथ देश को एक कठिन में मदद करने जा रहे हैं। हमारे पास एक ऐसा देश है जिसे मदद की जरूरत है और उसे मदद की सख्त जरूरत है। हम अपनी सीमाएं फिक्स करने जा रहे हैं। हम सब कुछ फिक्स करने जा रहे हैं। इन लाइनों के साथ अपनी चुनावी जीत के बाद ट्रंप ने ये दशया था कि आने वाले दिनों में कुर्सी संपालने के बाद उनका देश में बदलाव करने वाले हैं। जनवरी 2024 में दोबारा से शायद लेने के तुरंत बाद इन्होंने कहा कि अवैध अप्रवासियों को बर्थ राइट सिटीजनशिप नहीं मिलेगा। फिर कहा ड्राइवर गाड़ी निकालो मैं हूँ डक्यूएचओ से बाहर जाना है। फिर कहा कालाफेस चीज बकवास है। अमेरिका गैरिस समझौते जैसी फालतु चीज में

ली बनकर रहेंगे!

दुनिया के लिए आगे की राह कितनी मुश्किल जाना पड़ी? आइए इस पूरी राजनीतिक तस्वीर को समझाएँ।

अमेरिका और स्पेन करत है। अमेरिका देशे होला तैरकरे से अमेरिका नै रशिया से डोहा जाले। अमेरिका की डील की वो कोइ आम डील नहीं होले। डोहीज जरूर आम हो सकता है। 3 लाख डोहीज जरूर आम सी बात हो सकती है।

रशिया की ओर देश से ज्यादा पैसा नै अमेरिका दे सकता था उस डोहीज को लेकिन रशिया नामाने ही क्यों इसके लिए गिडगिड़ाया? क्यों रशिया को अकेला छोड़ दिया? जिस यूक्रेन को नॉर्थ एंड डॉलर दिए कि रूस के साथ लड़ें करे। मतलब बुनिया में बहुत सारा पैसा ऐसे जापान का साथ छोड़ दिया। साथ ही रशिया को मना कर दिया। यूक्रेन का नेट बंद हो गया। आइलैंड मस्क के यूरोप का नेट बंद हो गया है। डेनमार्क को धमका दिया।

अमेरिका ने ग्रीनलैंड चाहिए ही चाहिए। अमेरिका को रशिया के सामने गिडगिड़ा रहे हैं। बुनिया में भी रूस के सामने गिडगिड़ाया और अब भारत अमेरिका संदेश लेकर मार्को रुबियो फिलहाल अमेरिका में मौजूद है। मार्को रुबियो जामनगर इन्डियन नै गय। जामनगर की रिफाइन्डरी वो इन्डियन है जो रोजाना 14 लाख बैरल तेल बनाने करती है। ये तेल बुनिया के तेल पर कब्जा करे। अमेरिका नै नेकल लिया लेकिन उसे रिफाइन कर सकता। उसके लिए भारत की जरूरत

सोमनाथ नारी में दुर्गा पूजा का उत्सव इस बार आस्था के साथ अनोखी कलामत्सला और सांस्कृतिक विविधता के रंग भी विखेर दिया है। शहर के अलग-अलग मोहल्लों में तैयार किए गए पूजा पंडाल अपनी विशिष्ट थीम के कारण लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। एक ही बंगला के पारंपरिक वातावरण में शिशाल पंडाल का स्वरूप दिया गया है, तो वहीं दक्षिण भारत के प्रसिद्ध मीनाक्षी मंदिर की वास्तुकला को साकार करने का प्रयास किया गया है। एक मंडप प्राकृतिक समाज और पारंपरिक हस्तशिल्प से सजा है, जबकि दूसरे में पुरानी इस्त्रालियों के माध्यम से बीते दौर की यादों को फिर से जीवंत किया गया है। धूम्रगंध का पंडाल भारत माता और तिरंगे के जरिए देशभक्ति का संदेश दे रहा है। रंग भी प्रस्तुतियों में मॉर्न दुर्गा की आराधना के साथ कलाकारों की कल्पनाशीलता और आयोजकों की मेहनत स्पष्ट दिखाई दे रही है।

नगरात्र के दौरान प्रयागराज के विभिन्न इलाकों में श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ गई है। लोग मां दुर्गा के दर्शन करने के साथ-पंडालों की सजावट और उनकी अलग-अलग अवधारणाओं को देखने पहुंच रहे हैं। प्रत्येक मंडप को एक खास विषय के आधार पर तैयार किया गया है, जिससे एक ही शहर में अलग-अलग क्षेत्रों की सांस्कृतिक झलक देखने को मिल रही है। इन पंडालों

पता यह है कि इनमें धार्मिक आस्था में रखते हुए संस्कृति, पर्यावरण, और राष्ट्रीय गौरव जैसे विषयों को न दिया गया है। इस तरह दुर्गा पूजा पूजा-पूजा-अर्चना तक सीमित न रहकर एक अभिव्यक्ति का अवसर बन गई है।

नगर में स्थापित दुर्गा पूजा पंडाल अनूठी संरचना के कारण लोगों को त किराये महत्त्व है। इसे बंगाल की दुर्गा उत्सव पहचानते हैं।

व्र ढाक की आकृति में तैयार किया गया। विशाल ढोल जैसी बनावट वाले प के भीतर मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा की पीढ़ी है। पंडाल का स्वरूप की सांस्कृतिक परंपराओं को दर्शाता श्रद्धालुओं को वहां की पूजा पद्धति अनुभूति कराता है। बंगाल में ढाक दुर्गा पूजा के उत्साह और उत्थान स्तूपों हिस्सा मानी जाती है। इसी प्रकार प्रतीक को पंडाल का आधार आयोजकों ने एक अलग प्रयोग

है कि किस्से को स्थापित प्रस्तुत किया। विशेष यह मां की सांस्कृतिक अवसर भी है। गैंगर डाउन प्राकृतिक स बन रहा है। के पत्तों का सू और ग्र वस्तुओं को मंडप के ए सजावट में शिल्प को म की सुंदरता संदेश भी स धार्मिक प्र प्रकार की किया जात पंडाल प्राक और स्थान

गाली समाज के लोग परिवार के
में पूजा-अर्चना कर रहे हैं। मां
जयकारों और धार्मिक गतिविधियों
वरण भक्तिमय बना हुआ है। पंडाल
गाल आकृति लोगों के लिए कौतूहल
य है। इसकी बनावट यह भी दर्शाती

त्र की परंपरा और पहचान का माध्यम से किस तरह का सकता है। श्रद्धालुओं के मां के दर्शन के साथ बंगाल विरासत को जानने का कर रहा है।

दुर्गा पूजा पंडाल अपनी ण्ट के कारण विशेष पहचान तैयार करने में बांस और ताड़ माला किया जा गई है। साथ ही का जीवन से जुड़ी पारंपरिक सजावट में शामिल किया मगधियों से तैयार कलाकृतियों का अत्यंत रूप देता है। यहां की पारंपरिक संसाधनों और पारंपरिक साधन दिया है, जिससे पंडाल साधन पर्यावरण संरक्षण का आता है। आमनी पर बड़े नों में सजावट के लिए अनेक लेमन सामग्रियों का उपयोग वस्तुओं की उपयोगिता की दा है। बांस और पत्तों जैसी कर्षक संरचना तैयार करना अत्यंत शांति और पारंपरिक दाता है। ग्रामीण जीवन वाली वस्तुओं को सजावट कर आयोजकों ने स्थानीय सम्मान दिया है। यह पंडाल

इस विचार को सामने सुंदरता केवल चमक सादगी, मौलिकता भी बढ़ाई जा सकती दरभंगा कालोनी में पूजा पंडाल दक्षिण में की स्थापना की भव्यता को ध्यान बहारी बनावट तैयारी को अपनी और आ के भीतर विभिन्न दे स्थापित की गई हैं। भावान शिव, माता और माता सरस्वती बीच में विराजमान मंडप का प्रमुख इस पंडाल की खास दक्षिण भारतीय धार्मिक प्रयागराज की दुर्गा सामने आ रही हैं। में मंदिर निर्माण विकसित हुई हैं। और कलात्मक वि परंपराओं को दर्शाते प्रेतिय यह मंडप को धार्मिक उत्सव करने का प्रयास कर दुर्गा के दर्शन कर देवताओं की प्रतिमा

लता है कि त्योहारों की
-दमक से नहीं, बल्कि
प्रकृति से जुड़ाव से
नियंत्रित किया गया दुर्गा
व्रत के प्रसिद्ध मीनाक्षी
पूजा से प्रेरित है। मंदिर
में रखते हुए इसकी
की गई है, जो लोगों
परिचित करती है। पंडाल
-देवताओं की प्रतिमाएं
में भगवान जगन्नाथ,
लक्ष्मी, भगवान गणेश
की प्रतिमाएं शामिल हैं।
गं दुर्गा की प्रतिमा पूरे
परिणत बनी हुई है।
है कि इसमें
क त्यागपत्र की झलक
पूजा के माध्यम से
भक्त के विभिन्न क्षेत्रों
अलग-अलग शैलियों
की बनावट, सजावट
पर्याप्त अपने क्षेत्र की
है। मीनाक्षी मंदिर से
स्थानस्थ विधिप्रथाओं
क वातावरण में प्रस्तुत
है। श्रद्धालु यहां में
के साथ अन्य देवी-
की भी दर्शन कर रहे

के श्रद्धा के साथ य विविधता का अपनी थीम के य की दुनिया है। यहां विंटेन खींचे जाने वाले तलतीली और अन्य किया गया है। गों को उस समय मिलती है, जब के साधन आज के। आधुनिक बीच इन पुरानी की जिज्ञासा बढ़ा केवल सजावट देने दौर की यादों को समझने का नी पीढ़ी के लोग ने अनुभवों और की कल्पित नई पीढ़ी के रहन-सहन मिलता है। हाथ और विंटेन का इतिहास में आए आकर्षण करती है जैसी सामान्य और सामाजिक जीवन की याद दिलाती है। ए आने वाले लोग इन वस्तुओं के खींच रहे हैं और उनकी कला की सहायता कर रहे हैं। धूम्रगंध का दुर्गा पूजा पंख आस्था के साथ राष्ट्रप्रेम की सामने लाता है। यहाँ भारत मा पर सजावट की गई है और ऊंच लहरता दिखाई देता है। मा दुर्गा के साथ भारत माता और राष्ट्रीय प्रस्तुति पंडाल को एक विशिष्ट है। इस थीम के जरूर धार्मिक उ की एकता और राष्ट्रीय गौरव से प्रभाव किया गया है। भारत माता का प्रतीक देश को और मातृभूमि में प्रति समर्पण से जुड़ा है। ऐसे में सजावट के विषय पर आधारित नवरात्र श्र लिए धार्मिक और सांस्कृतिक से आकर्षण बन रही है। यहां लोग मां दुर्गा के दर्शन के लिए समानपूर्वक निहार रहे हैं। इस बात को रेखांकित करती है आधुनिक समाज में सकारात्मक एकोनृता और साझा सैनिक मनवृत्त करने का अवसर बन स इन पंडालों को आकर्षक बनाने और कारीगरों के सामूहिक प्र अहम भूमिका है।

तल देखने
थित तस्वीरों
क प्रस्तुति
धार्मिक
भावना को
की थीम
पर तिरंगा
की प्रतिमा
ध्वज की
हचान देती
व को देश
कोजुनेका
ति सम्मान
की भावना
इस दौरान
हचानों के
नोटों दृष्टियों
आने वाले
तिरंगे को
हह प्रस्तुति
के धार्मिक
हचारों,
हचान को
नेते हैं।
आयोजकों
सों की भी

हो गया है। ऊर्जा मरगो हो गई है। तो अब विद्युत के जने जाने वाले एक प्रारब्धिककन पाटी डेमोक्रेटिकन पाटी है। दोनों पाटियां चुनाव मे जने वाली है। 3 नवंबर को यह चुनाव है। ट्रंप चाहते हैं कि 3 नवंबर से पहले लगभग 10-12 दिन को है। उससे पहले पहल को सब कुछ ठीक कर लो है। महंगाई आउट ऑफ कंट्रोल जा चुकी है उसे वो कंट्रोल कर रहे हैं। कई रिपोटर्स दावा करती हैं कि अमेरिका मे रहने वाले चार ट्रंपों में से तीन लोगा ट्रंप से नफरत करते हैं। लोगो की नीतियो को समर्थन नहीं करते। मतलब 25% लेकिन कुछ रिपोटर्स फिर भी थोडा सा दावा करती हैं कि 'नहीं थोडी सी इज्जत नहीं हुई है' और अभी लगभग 31% तक ट्रंप की अप्रुवल रेटिंग है। आपको बता दे कि अप्रुवल रेटिंग जो होती है वो डोनाल्ड ट्रंप की गिरती जा रही है। अब अप्रुवल रेटिंग का मतलब यह होता है किन्तुने लोग राष्ट्रपति के कामकाज से संतुष्ट है और किन्तुने लोग उनसे असहमत हैं। एनबीसी न्यूज के एक रिपोट के मुताबिक सिर्फ 34% अमेरिकी लोगो के कामकाज से संतुष्ट है। जबकि 66% लोगो ने उनके प्रदर्शन पर असहमति जताई है। इससे संवेक्षण मे 51% लोगो ने तो ट्रंप के कामकाज को बहुत ज्यादा असहमति जताई है और यह उनके दुसरे कामकाज के दोपान इस सारे में दर्ज किया जा किया गया सबसे ऊंचा आंकडा बताया जा रहा है। वहीं वाशिंगटन पोस्ट एबीसी न्यूज और जो एगोसेस में सर्वे हुए हैं उसमें ट्रंप के अप्रुवल रेटिंग सिर्फ 33% सामने आई है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात में स्वास्थ्य सेवा ने ‘आकाश’ को छुआ

वर्ष 2022 से राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई एयर एम्बुलेंस सेवा द्वारा 48 मरीजों और 50 महत्वपूर्ण मानव अंगों के परिवहन (ऑर्गन ट्रांसपोर्टेशन) के मिशन पूरे किए गए

गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र को मजबूत बल मिला है। मरीजों को शीघ्र विशिष्ट चिकित्सा उपचार मिल सके; इस उद्देश्य से गुजरात सरकार की समर्पित, चौबीसों घंटे कार्यरत एयर एम्बुलेंस सेवा ने वर्ष 2022 में शुरू होने के बाद से अब तक 98 फ्लाइट मिशन पूरे किए हैं और अब यह शीघ्र ही 100 मिशन का आँकड़ा पार करेगी। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में मरीजों को शीघ्र आपातकालीन चिकित्सा परिवहन सेवा उपलब्ध कराने के लिए यह एयर एम्बुलेंस पहल शुरू की गई थी। कुल 98 मिशनों में से 48 मिशन मरीजों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक लाने-ले जाने के लिए किए गए, जबकि 50 मिशन अंग प्रत्यारोपण के लिए मानव अंगों के परिवहन हेतु किए गए। इस सेवा की पहली उड़ान 5 मई, 2022 को भरी गई थी, जब एक मरीज को राजकोट हवाई अड्डे से चेन्नई ले जाया गया था। इस पहल मिशन ने सरकार द्वारा संचालित एयर एम्बुलेंस क्षमता की शुरुआत की, जो मरीजों को उनके आसपास उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं के अलावा दूर स्थित अस्पतालों तक पहुँचने में मदद करती है। इस सेवा में चुनौतीपूर्ण वातावरण और परिस्थितियों में भी अपने मिशन सफलतापूर्वक पूरे करने की क्षमता है। 2 जून, 2024 को श्रीनगर से जयपुर

तक एक मरीज को ले जाया गया था। श्रीनगर से जुड़े अभियानों के लिए वहाँ की भौगोलिक धरातलीय परिस्थितियों (टैरेन), मौसम और परिचालन स्थितियों के कारण सावधानीपूर्वक योजना बनाने की आवश्यकता होती है। ऐसे मिशन लंबी दूरी के चिकित्सा परिवहन की आवश्यकता के समय विस्तृत उड़ान योजना, समन्वय और विमानन सुरक्षा नियमों के पालन के महत्व को दर्शाते हैं। राज्य के उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संधवी ने कहा, “गुजरात सरकार के नागरिक उड्डयन विभाग और गुजरात स्टेट एविएशन इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी लिमिटेड (गुजसेल) द्वारा संचालित यह एयर एम्बुलेंस सेवा रियायती दरों पर एयर मेडिकल ट्रांसपोर्टेशन उपलब्ध कराती है और यह समग्र भारत के नागरिकों के लिए उपलब्ध है। यह पहल राज्य के आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया तंत्र के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में उभरकर आई है।”



स्थान के आधार पर विमान में आवश्यक डॉक्टरों, चिकित्सा कर्मचारियों, उपकरणों और अन्य सहायता सुविधाओं की व्यवस्था की जा सकती है। **समन्वित आपातकालीन प्रतिक्रिया (Coordinated Emergency Response)** एयर एम्बुलेंस सेवा में चिकित्सा और एविएशन ऑपरेशन्स की एक समन्वित श्रृंखला शामिल है। एयर एम्बुलेंस सहायता की आवश्यकता वाले मामलों

की पहचान करने और प्रक्रिया शुरू करने में 108 आपातकालीन सेवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एक बार आवश्यकता की पहचान हो जाने के बाद मामला गुजसेल के उड़ान संचालन विभाग को सौंप दिया जाता है, जो उड़ान के लिए परिचालन नियंत्रण केन्द्र के रूप में कार्य करता है। उड़ान संचालन विभाग विमानन संबंधी आवश्यकताओं का समन्वय करता है और हवाई अड्डे पर पहुँचने के बाद मरीज

के परिवहन को सुगम बनाता है। इस प्रक्रिया में चिकित्सा कर्मचारी, विमान चालक दल, हवाई अड्डा प्राधिकरण, जमीनी परिवहन टीम और मरीज को स्वीकार करने वाले अस्पताल के बीच समन्वय शामिल है। जब किसी मरीज को तत्काल किसी अन्य चिकित्सा सुविधा में स्थानांतरित करने की आवश्यकता होती है, तो अस्पताल भी सीधे एयर एम्बुलेंस सेवा के लिए अनुरोध कर सकते हैं।

यहाँ मुख्य उद्देश्य अस्पताल या मूल स्थान से हवाई अड्डे तक, विमान द्वारा यात्रा के दौरान और फिर मरीज को स्वीकार करने वाली चिकित्सा सुविधा तक निर्बाध (अविलंब) चिकित्सा परिवहन सुनिश्चित करना है, जिससे गंभीर रूप से बीमार मरीजों को न्यूनतम विलंब के साथ उचित चिकित्सा उपचार मिल सके। **बड़े हवाई अड्डों के अलावा भी परिचालन में फ्लेक्सिबिलिटी** सरकार की एयर एम्बुलेंस सेवा की एक महत्वपूर्ण विशेषता इसका परिचालन लचीलापन है। यह एयरक्राफ्ट लागू होने वाली परिचालन, मौसम और सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं के अधीन, अनियंत्रित हवाई पट्टियों सहित विभिन्न प्रकार के हवाई अड्डों और उपयुक्त हवाई पट्टियों से परिचालन कर सकता है। जब किसी मरीज को विशिष्ट उपचार की आवश्यकता हो और वह बड़े महानगरीय हवाई अड्डे से दूर हो, तब यह क्षमता विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध हो सकती है। छोटी हवाई पट्टियों से परिचालन करने की क्षमता हवाई चिकित्सा परिवहन को मरीज के स्थान के अधिक निकट लाने और सड़क मार्ग से यात्रा की दूरी कम करने में मदद करती है। एयर एम्बुलेंस सेवा मौजूदा सड़क एम्बुलेंस नेटवर्क का स्थान लेने के बजाय उसे पूरक बनाती है। कई परिस्थितियों में सड़क मार्ग से परिवहन उपयुक्त रहता है, लेकिन जब दूरी, तात्कालिकता या

भौगोलिक परिस्थितियों के कारण हवाई परिवहन अधिक लाभदायक और तेज विकल्प साबित होता है, तब यह सेवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। **48 मरीजों के परिवहन मिशन पूरे किए** वर्ष 2022 से इस सेवा ने 48 पेशेंट ट्रांसपोर्टेशन मिशन किए हैं, जिससे तत्काल या विशिष्ट चिकित्सा उपचार की आवश्यकता वाले गंभीर मरीजों को सड़क मार्ग से लगने वाले समय की तुलना में बहुत कम समय में एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित किया जा सका है। यह सेवा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में उपचार, एडवांस सर्जिकल इंटरवेंशन, क्रिटिकल केयर या अन्य प्रकार के विशिष्ट चिकित्सा उपचार की आवश्यकता वाले मरीजों को सहायता प्रदान करती है। उचित स्वास्थ्य देखभाल सुविधा तक पहुँचने के लिए आवश्यक समय कम करके एयर एम्बुलेंस आपातकालीन चिकित्सा परिस्थितियों में निर्णायक भूमिका निभाती है। **50 ऑर्गन ट्रांसपोर्टेशन मिशन** इस सेवा का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू मानव अंगों का परिवहन है। वर्ष 2022 से पूरे किए गए 98 मिशनों में से 50 मिशन अंगों के परिवहन के लिए समर्पित थे। अंग प्रत्यारोपण एक अत्यंत समय-संवेदनशील प्रक्रिया है, क्योंकि प्रत्यारोपण टीमों के पास सीमित समय होता है, जिसके भीतर उपलब्ध अंग का

परिवहन करके उसका प्रत्यारोपण करना आवश्यक होता है। समर्पित विमानन सहायता उपलब्ध कराकर गुजरात सरकार अस्पतालों और प्रत्यारोपण टीमों को विभिन्न स्थानों के बीच महत्वपूर्ण अंगों का तेजी से परिवहन करने में मदद करती है। **यह सेवा रियायती दरों पर उपलब्ध है** गुजरात सरकार रियायती दरों पर (सब्सिडी के साथ) एयर एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराती है। गुजराती मरीज के लिए सब्सिडी वाला शुल्क 50,000 रुपये है, जबकि गैर-गुजराती मरीज के लिए शुल्क 65,000 रुपये है। अस्पताल द्वारा सेवा बुक किए जाने के मामले में लागू शुल्क 55,000 रुपये है। यह सेवा समग्र भारत के नागरिकों के लिए उपलब्ध है, जो इसे एक ऐसी सार्वजनिक सेवा-आधारित पहल बनाती है, जिसका विस्तार राज्य की भौगोलिक सीमाओं से भी आगे तक है। **स्वास्थ्य क्षेत्र में सेवा देने वाला एविएशन इन्फ्रास्ट्रक्चर** एयर एम्बुलेंस सेवा की प्रभावशीलता विभिन्न विभागों, एजेंसियों और पेशेवरों के बीच समन्वय पर निर्भर करती है। नागरिक उड्डयन विभाग, गुजसेल, उड़ान संचालन कर्मचारी, पायलट, चिकित्सा पेशेवर, 108 आपातकालीन सेवाएँ, अस्पताल, हवाई अड्डा प्राधिकरण और जमीनी सहायता टीमों मिशनों को सफलतापूर्वक पूरा करने में योगदान देती हैं।

पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल द्वारा विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत,93 स्टेशनों पर व्यापक स्तर पर ‘रेल जन संवाद’ का आयोजन

पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल द्वारा 22 अक्टूबर, 2026 को विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत 93 रेलवे स्टेशनों पर व्यापक स्तर पर यात्री संवाद कार्यक्रम ‘रेल जन संवाद’ का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य नागरिकों की भागीदारी को मजबूत करना, यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाना तथा पूरे रेलवे नेटवर्क में निरंतर स्वच्छता को बढ़ावा देना था। इस अभियान के दौरान 1,000 से अधिक यात्रियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और वरिष्ठ रेल अधिकारियों के साथ अपना प्रत्यक्ष फीडबैक, बहुमूल्य सुझाव एवं शिकायतें साझा कीं। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञापित के अनुसार, इस कार्यक्रम में मंडल भर में वरिष्ठ अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी और जमीनी स्तर पर व्यापक जनसंपर्क देखने को मिला। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक



श्री रामाश्रय पाण्डेय ने मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर यात्रियों से व्यक्तिगत रूप से संवाद किया, उनकी समस्याओं को सुना और स्टेशन पर उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। यात्रियों को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक ने आश्वासन दिया कि जिन मामलों में तत्काल समाधान की आवश्यकता है, उन पर शीघ्र कार्रवाई

की जाएगी। उन्होंने कहा कि रेल अधिकारी प्रत्येक मामले के समाधान तक उस पर लगातार फॉलो-अप करेंगे। उन्होंने यात्रियों से कूड़दानों और क्राशर मशीन का उपयोग करके स्टेशनों को स्वच्छ रखने की अपील की। साथ ही, समय बचाने के लिए टिकट बुकिंग हेतु रेलवन ऐप और क्यूआर कोड के उपयोग को प्रोत्साहित किया। बाद में श्री पाण्डेय ने मेल/एक्सप्रेस ट्रेन के यात्रियों से भी संवाद किया और उनका फीडबैक लिया।

पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक श्री प्रदीप कुमार ने चर्चगेट स्टेशन पर दैनिक यात्रियों से सीधे संवाद किया और यात्रियों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील प्रशासन तथा बेहतर सेवा मानकों के प्रति पश्चिम रेलवे की प्रतिबद्धता दोहराई। पश्चिम रेलवे के प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्री तरुण जैन ने भी चर्चगेट स्टेशन पर रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। वरिष्ठ रेल अधिकारियों, स्टेशन प्रबंधकों और कर्मचारियों ने निर्धारित उपनगरीय एवं गैर-उपनगरीय स्टेशनों के साथ-साथ उपनगरीय लोकल ट्रेनों तथा लंबी दूरी की मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में भी जन संवाद किया। इस संवाद के माध्यम से दैनिक यात्रियों और रेल यात्रियों को परिचालन संबंधी आवश्यकताओं, यात्री सुविधाओं तथा स्वच्छता के मानकों से जुड़े मुद्दों को सामने रखने के लिए एक

खुला एवं पारदर्शी मंच मिला। यात्रियों के साथ संवाद के तुरंत बाद विभिन्न स्टेशनों पर व्यापक स्तर पर श्रमदान और गहन स्वच्छता अभियान चलाए गए। इन अभियानों के अंतर्गत प्लेटफॉर्म, स्कुलेटिंग एरिया, फुट ओवर ब्रिज, प्रतीक्षालय, शौचालय और स्टेशन परिसर की सफाई की गई। पश्चिम रेलवे अपने पूरे परिवहन नेटवर्क में स्वच्छता को नियमित कार्यक्रमशीली का हिस्सा बनाने, शिकायतों के त्वरित निवारण की प्रभावी व्यवस्था बनाए रखने तथा यात्रियों की समग्र सुविधा में सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध है। ‘रेल जन संवाद’ के दौरान प्राप्त सभी आवेदनों, सुझावों और फीडबैक की व्यवस्थित रूप से समीक्षा की जा रही है तथा समयबद्ध सुधारात्मक कार्रवाई और बुनियादी सुविधाओं के निरंतर उन्नयन के लिए उन्हे संबंधित विभागों को भेजा जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संधवी ने दक्षिण कोरिया की प्रसिद्ध ‘यंगवन कॉर्पोरेशन’ कंपनी को गुजरात में निवेश के लिए आमंत्रण दिया

गांधीनगर : वाइब्रेट गुजरात ग्लोबल समिट के अंतर्गत दक्षिण कोरिया के दौरे पर गए गुजरात के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने डैगू (Daegu) में वैश्विक टेक्सटाइल क्षेत्र की अग्रणी कंपनी ‘यंगवन कॉर्पोरेशन’ (Youngone Corporation) के साथ विशेष बैठक की। इस बैठक में ‘यंगवन कॉर्पोरेशन’ के प्रेसिडेंट श्री जे-योंग पार्क सहित उच्च अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि ‘यंगवन कॉर्पोरेशन’ वैश्विक स्तर पर आउटडोर स्पोर्ट्सवियर, परफॉमेंस गारमेंट्स और टेक्सटाइल उत्पादन के क्षेत्र में एक बहुत बड़ा नाम है, जिसमें लगभग 1 लाख कर्मचारियों का विशाल कार्यालय कार्यरत है। उच्च गुणवत्ता वाले फैब्रिक एवं सिंथेटिक मटेरियल्स के उत्पादन में यह वैश्विक कंपनी अग्रणी स्थान रखती है।



बैठक के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संधवी ने यंगवन कॉर्पोरेशन के नेतृत्व को गुजरात में निवेश करने तथा संयुक्त उद्यम स्थापित करने के लिए भारपूर्वक आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि भारत के कुल मैने-मेड फाब्रिकर उत्पादन में अकेले गुजरात का एक-तिहाई योगदान है। राज्य में कपास से लेकर रेडीमेड गारमेंट तक की संपूर्ण वैल्यू

चेन उपलब्ध है। श्री संधवी ने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि नवसारी में 1,142 एकड़ में बन रहा अल्ट्रायुनिफ ‘पीपुल मित्र टेक्सटाइल पार्क’ यंगवन जैसी वैश्विक दिग्गज कंपनियों के लिए निवेश के व्यापक अवसर प्रदान करता है। गुजरात की उद्योग-अनुकूल नीतियों तथा उत्कृष्ट पोर्ट और लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी का लाभ उठाकर यंगवन कॉर्पोरेशन गुजरात के साथ साझेदारी करके नई ऊँचाइयों को प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कंपनी के प्रतिनिधियों से आगामी वाइब्रेट समिट में उपस्थित रहने तथा गुजरात के टेक्सटाइल क्लस्टर का प्रत्यक्ष दौरा करने का आह्वान किया।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल में रेल जन संवाद आयोजित

भारतीय रेलवे में आज 22 अक्टूबर 2026 को देश के सभी रेलवे स्टेशनों पर राष्ट्रव्यापी ‘रेल जन संवाद’ कार्यक्रम का आयोजित किया गया। स्पेशल कैपेन 6.0 के तहत आयोजित रेल जन संवाद कार्यक्रम में पश्चिम रेलवे वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक राजू भडके ने स्वच्छता व यात्री सुविधाओं के विषय पर वडोदरा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों व पैसेंजर एसोसिएशन से संवाद किया। इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने उपस्थित रेलकर्मियों को स्वच्छता शपथ दिलाई। इसके अलावा यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिये सिविल डिफेंस की टीम ने नुक्कड़ नाटक भी किया। कार्यक्रम की शुरुआत में पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से वरिष्ठ यांत्रिक अभियंता अनिल कुमार ने मंडल की उपलब्धियों व गतिविधियों के बारे बताया।



पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी खेमराज मीना द्वारा जारी एक प्रेस रिलीज के अनुसार वडोदरा मंडल के अंतर्गत वडोदरा, भरुच, नडियाद, आणंद व गोधरा सहित 21 स्टेशनों पर नामित अधिकारियों द्वारा जनसंवाद किया गया। मंडल के अन्य स्टेशनों पर स्टेशन अधीक्षकों द्वारा जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस विशेष अभियान में आज वडोदरा

मंडल के स्टेशनों पर स्वच्छता एवं यात्री सुविधाओं पर रेलवे अधिकारियों व कर्मचारियों ने यात्रियों, युथ तथा लोकल स्टेक होल्डर से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं व सुझावों को नोट किया। कार्यक्रम के बाद मंडल के सभी स्टेशनों और परिसरों में श्रमदान किया भी गया। इस इवेंट के अंतर्गत स्टेशन परिसर पर नुक्कड़ नाटक व स्ट्रीट प्ले के माध्यम से

यात्रियों को जागरूक किया गया। इसके अलावा स्टेशनों पर उपस्थित रेलकर्मियों में स्वच्छता शपथ भी ली। इस अभियान के जरिए पश्चिम रेलवे का वडोदरा मंडल न केवल लॉबी मामलों को निपटाने पर जोर दे रहा है, बल्कि स्टेशनों पर साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन और नागरिक जुड़ाव को बेहतर बनाने की कोशिश भी कर रहा है।

विशेष स्वच्छता अभियान 6.0 के अंतर्गत यात्रियों से स्वच्छता एवं यात्री सुविधाओं पर लिया फीडबैक, यात्रियों ने रेलवे की स्वच्छता व्यवस्था की सराहना की

पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल द्वारा विशेष स्वच्छता अभियान 6.0 के अंतर्गत 22 अक्टूबर 2026 को मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों एवं ट्रेनों में ‘रेल जन संवाद’ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों से सीधे संवाद स्थापित कर स्वच्छता व्यवस्था, उपलब्ध यात्री सुविधाओं तथा रेल यात्रा के अनुभवों के संबंध में उनके सुझाव एवं फीडबैक प्राप्त करना और सेवाओं में निरंतर सुधार सुनिश्चित करना था। इसी क्रम में भावनगर टर्मिनस रेलवे स्टेशन पर मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने यात्रियों से सीधे संवाद कर स्टेशन की स्वच्छता व्यवस्था एवं उपलब्ध यात्री सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने यात्रियों के यात्रा अनुभवों, सुझावों और अपेक्षाओं को ध्यानपूर्वक सुना। इस दौरान यात्रियों ने रेलवे द्वारा किए जा रहे



प्रयासों तथा स्टेशनों एवं ट्रेनों में साफ-सफाई की व्यवस्था की सराहना की। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक ने यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए करने का उचित निस्तारण करने, निर्धारित स्थानों पर कचरा डालने तथा रेलवे परिसर एवं ट्रेनों में स्वच्छता बनाए रखने में सक्रिय सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छ रेलवे परिसर के निर्माण में रेलवे

से मिले सुझावों एवं अनुभवों के आधार पर स्वच्छता व्यवस्था और यात्री सुविधाओं को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने कहा, “यात्रियों से सीधा संवाद उनकी आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को समझने तथा यात्री सुविधाओं में निरंतर सुधार करने का प्रभावी माध्यम है। रेलवे प्रशासन

यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। रेलवे परिसर को स्वच्छ बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। रेलवे प्रशासन अपने स्तर पर निरंतर प्रयास कर रहा है और इस अभियान को सफल बनाने के लिए यात्रियों का सहयोग भी अपेक्षित है। जनभागीदारी एवं सामूहिक प्रयासों से स्वच्छ रेल, स्वच्छ भारत के संकल्प को साकार किया जा सकता है।” मंडल रेल प्रबंधक ने यात्रियों को स्वच्छता से संबंधित शिकायतों एवं सुझावों के लिए रेलवे की एकीकृत हेल्पलाइन 139 तथा रेल मदद (Rail Madad) का उपयोग भी अपेक्षित है। यात्रियों ने स्वच्छता अभियान की इस पहल का स्वागत करते हुए रेलवे परिसर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग देने का आश्वासन दिया।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में सेवाकार्यों का आयोजन



गांधीनगर : केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सेवाकार्यों के अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के करकर्मलों से अहमदाबाद के ओगण्डा स्थित आँगनवाड़ी केन्द्र-6 में बच्चों के अभिभावकों को राशन किट का वितरण किया गया।

बच्चों को पोषिक आहार मिले और उनके स्वास्थ्य की देखभाल हो; इस उद्देश्य से आँगनवाड़ी में पंजीकृत बच्चों के अभिभावकों को राशन किट अर्पित की गई। बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहन देने वाले इस सेवाकार्य के माध्यम से बाल कल्याण के प्रति

प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। इस अवसर पर अहमदाबाद के महापौर हितेशभाई वारोट, उप महापौर श्रीमती अंजुबेन शाह, मनपा आयुक्त बंछानिधि पाणि सहित मनपा अधिकारी, अग्रणी, पार्षद और आँगनवाड़ी कार्यकर्ता बहनें उपस्थित रहे।

गांधीनगर के अडालज में ‘वंदे मातरम् कैप’ का भव्य शुभारंभ शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती रिवाबा जाडेजा ने किया उद्घाटन

गांधीनगर : माय भारत, गांधीनगर (गुजरात) द्वारा अडालज, गांधीनगर स्थित ‘हार्टकुलनेस मेडिटेशन सेंटर’ में 22 से 28 अक्टूबर, 2026 के दौरान सात दिवसीय ‘वंदे मातरम् कैप’ का भव्य आयोजन किया गया है। इस कैप का शुभारंभ गुजरात सरकार के प्राथमिक, माध्यमिक और प्रौढ़ शिक्षा विभाग की राज्य मंत्री श्रीमती रिवाबा रविंद्रसिंह जाडेजा के करकर्मलों से किया गया। इस राष्ट्रीय स्तर के कैप का मुख्य उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पारस्परिक समझ और राष्ट्रीय पहचान की भावना को और अधिक सुदृढ़ बनाना है। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने सामूहिक ‘वंदे मातरम्’ गान के माध्यम से देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना व्यक्त की। केरल से आए युवा प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य ने उपस्थित सभी लोगों का दिल जीत लिया और भारत की विविधता में एकता का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत



किया। **महानुभावों की गरिमामयी उपस्थिति** उद्घाटन समारोह में गुजरात राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती रिवाबा जाडेजा ने उपस्थित युवाओं के साथ एक विशेष संवादात्मक सत्र आयोजित

सचिन शर्मा, सहायक निदेशक श्री श्रेयांश सिंह तथा डीडी श्री पंकज यादव सहित अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती रिवाबा जाडेजा ने उपस्थित युवाओं के साथ एक विशेष संवादात्मक सत्र आयोजित

तेलंगाना, केरल और बिहार के साथ-साथ केंद्रशासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव से लगभग 150 युवा प्रतिभागी शामिल हुए हैं। इस आयोजन से युवाओं को अपनी संस्कृति और परंपराओं का

आदान-प्रदान करने तथा राष्ट्रीय एकता के बंधन को मजबूत बनाने का सुनहरा अवसर मिला है। कैप के दौरान प्रतिभागियों के लिए 24 अक्टूबर, 2026 को राज्यपाल के निवास स्थान का दौरा तथा जिला कलेक्टर के साथ युवा संवाद का आयोजन किया गया है, जिससे युवाओं को सुशासन और प्रशासनिक प्रक्रिया के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी मिलेगी। इसके अलावा; युवाओं को गुजरात की वैज्ञानिक, शैक्षणिक और ऐतिहासिक विरासत से परिचित कराने के लिए साईंस सिटी और साबरमती में शैक्षणिक भ्रमण भी आयोजित किया जाएगा। माय भारत, गांधीनगर के जिला युवा अधिकारी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, 28 अक्टूबर तक चलने वाले इस कैप के माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रमों, संवादों और भ्रमण के जरिए राष्ट्र के विकास में योगदान देने में सक्षम, जागरूक और जिम्मेदार युवा पीढ़ी का निर्माण करने का विनम्र प्रयास किया जा रहा है।

‘विकास भी, विरासत भी’ के मंत्र को साकार करेगा द्वारका का ‘श्रीकृष्ण संग्रहालय’

आध्यात्मिक विरासत, भारतीय संस्कृति एवं आधुनिक टेक्नोलॉजी के समन्वय से 92.70 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा श्रीकृष्ण संग्रहालय

गांधीनगर : भारत की समृद्ध संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा की शिश्व में विशिष्ट पहचान है। यह सांस्कृतिक धरोहर केवल हमारे गौरवशाली इतिहास का गौरव ही नहीं है, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत, जीवन मूल्यों का आधार और राष्ट्र के सांस्कृतिक आत्मविश्वास का प्रतीक भी है। इस अमूल्य विरासत को संरक्षित करके आधुनिक दृष्टिकोण के साथ नई पीढ़ी तक पहुँचाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ‘विकास भी, विरासत भी’ के मंत्र को साकार करने की दिशा में द्वारका में ‘श्रीकृष्ण संग्रहालय’ का निर्माण किया जा रहा है।

चार धामों में से एक धाम, भारत की पवित्र सप्तपुरियों में स्थान रखने वाली नगरी और भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि द्वारका इस संग्रहालय के माध्यम से आध्यात्मिकता और आधुनिकता के अनूठे समन्वय का केन्द्र बनने जा रही है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल तथा उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी के नेतृत्व में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन दर्शन, दिव्य लीलाओं, मानवीय मूल्यों और श्रीमद्भगवद्गीता के शाशवत संदेश को आधुनिक टेक्नोलॉजी के माध्यम से भी प्रस्तुत करने का नई पीढ़ी के समक्ष जीवंत करेगा।

विशेष स्वच्छता अभियान 6.0 के अंतर्गत अहमदाबाद मंडल के 107 रेलवे स्टेशनों पर ‘रेल जन संवाद’ कार्यक्रम का आयोजन,मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश ने अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर यात्रियों से किया सीधा संवाद; यात्री सुविधाओं, स्वच्छता एवं स्टेशन विकास के संबंध में प्राप्त किए सुझाव

विशेष स्वच्छता अभियान 6.0 के अंतर्गत भारतीय रेल द्वारा 22 अक्टूबर, 2026 को देशभर के रेलवे स्टेशनों एवं रेल इकाइयों में ‘रेल जन संवाद’ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसी क्रम में पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल द्वारा अहमदाबाद रेलवे स्टेशन सहित मंडल के कुल 107 रेलवे स्टेशनों पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों एवं आमजन से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं, अपेक्षाओं और सुझावों को समझना तथा प्राप्त फीडबैक के आधार पर यात्री सुविधाओं एवं रेल सेवाओं में आवश्यक सुधार सुनिश्चित करना है।

अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम के दौरान मंडल रेल प्रबंधक, अहमदाबाद, श्री वेद प्रकाश ने यात्रियों से सीधे संवाद कर स्टेशन पर उपलब्ध सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था, प्रतीक्षालय, पेयजल, वॉशरूम तथा अन्य यात्री सुविधाओं के संबंध में उनकी राय जानी। इस दौरान स्टेशन परिसर में यात्रियों की प्रतीक्षा संबंधी आवश्यकताओं, सुविधाओं की उपलब्धता और सुधार की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई।

चेन्नई रोड-शो में सेमीकंडक्टर, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और उन्नत विनिर्माण के क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं को रेखांकित किया

गांधीनगर : गुजरात वाइब्रेट गुजरात ग्लोबल समिट (VGGS) 2027 के रोड-शो के माध्यम से औद्योगिक क्षमताओं और पूरक औद्योगिक विशेषताओं को प्रमुखता से हर मंच पर प्रस्तुत- प्रदर्शित कर रहा है। इसी कड़ी में चेन्नई में गुजरात सरकार के उच्चस्तरीय प्रतिनिधि मंडल ने रोड-शो किया। चेन्नई के ताज कोरोमंडल में हुए चेन्नई रोड-शो के मुख्य कार्यक्रम में उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधि और सरकारी अधिकारी शामिल हुए। निवेश, प्रौद्योगिकी साझेदारी, विनिर्माण क्षेत्र में सहयोग की नई संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया।

रोड-शो से पूर्व गुजरात सरकार की माननीय महिला एवं बाल कल्याण राज्य मंत्री डॉ. मनीषा वकील, गुजरात सरकार के शहरी विकास एवं शहरी आवास विभाग के प्रधान सचिव श्री एम. थेनारसन(IAS), गुजरात राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स मिशन (GSEM) की मिशन निदेशक श्रीमती नेहा कुमारी (IAS) तथा गुजरात के अन्य विशिष्ट हितधारकों ने चेन्नई के 21 प्रमुख व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें कीं। इनमें राणे (मद्रास) लिमिटेड, फुसो ग्लास इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, फ्लोसिल-बीईटी कोटिंग्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, अशोक लेलैंड लिमिटेड, पोन प्योर केमिकल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सेंट-गोबेन, जीपक इंडक्शन इंडिया, कैबिकेन्टर, जेके फेनर इंडिया लिमिटेड, आईआईटी रीी लिमिटेड, केएलए, ऑर्बिटेएआईडी एयरोस्पेस प्राइवेट

पश्चिम रेलवे उधना-अमरावती के बीच चलाएगी

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से उधना और अमरावती के बीच सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाया जा निर्णय लिया गया है।

ट्रेन संख्या 09013/09014 उधना–अमरावती सुपरफास्ट स्पेशल [12 फेरे]:

ट्रेन संख्या 09013 उधना–अमरावती

92.70 करोड़ रुपए की महत्वाकांक्षी परियोजना

द्वारकाधीश मंदिर से लगभग 1.6 किलोमीटर की दूरी पर कुल 92.70 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया जा रहा श्रीकृष्ण संग्रहालय राज्य सरकार की एक महत्वाकांक्षी सांस्कृतिक परियोजना है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य भगवान श्रीकृष्ण के जीवन चरित्र, उनकी दिव्य लीलाओं, उनके दर्शन और भगवद्गीता के जीवनोपयोगी संदेश को एक ही स्थान पर सुव्यवस्थित और आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करना है। यहाँ पारंपरिक संग्रहालय की अवधारणा से आगे बढ़कर आधुनिक डिजिटल माध्यमों के जरिए आगंतुकों को विषय से भावनात्मक और बौद्धिक रूप से जोड़ा जाएगा।

संग्रहालय में श्रीकृष्ण के जीवन के अनुरूप विभिन्न नौ थीम आधारित गैलरी का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा; विशेष लैंडस्केप क्षेत्र, कमल तालाब, लाइट एंड साउंड प्रोजेक्शन शो और एम्प्रीथिएटर जैसी सुविधाएँ भी विकसित की जा रही हैं। ये सभी व्यवस्थाएँ संग्रहालय को ज्ञान, सौंदर्य, आध्यात्मिकता और मनोरंजक शैक्षणिक अनुभव के संयुक्त केन्द्र के रूप में



विकसित करने में सहायक होंगी।

नौ गैलरियों में क्या-क्या होगा?

श्रीकृष्ण संग्रहालय का विशेष आकर्षण

इसकी नौ थीम आधारित गैलरियाँ होंगी, जिनमें भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के विभिन्न प्रसंगों और उनके दर्शन के

अलग-अलग आयामों को प्रस्तुत किया जाएगा। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से शुरू होने वाली इस यात्रा में उनकी

नहीं है। उन्होंने साबरमती रेलवे स्टेशन पर पार्किंग सुविधा में हुए सुधार का भी उल्लेख किया।

मीडिया से बातचीत करते हुए मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश ने बताया कि ‘रेल जन संवाद’ यात्रियों एवं अन्य हितधारकों से प्रत्यक्ष फीडबैक प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यक्रम के दौरान प्राप्त सुझावों एवं समस्याओं को उनकी प्रकृति और प्राथमिकता के आधार पर वर्गीकृत किया जाएगा। जिन विषयों का तत्काल निराकरण संभव है, उन पर प्राथमिकता से कार्रवाई की जाएगी, जबकि मध्यम अवधि एवं दीर्घकालीन आवश्यकताओं के लिए चरणबद्ध कार्ययोजना तैयार की जाएगी। आधारभूत संरचना से संबंधित आवश्यकताओं को भी निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि यात्रियों की वास्तविक जरूरतों के अनुसार सुविधाओं का विकास किया जा सके।

अहमदाबाद मंडल के 107 रेलवे स्टेशनों पर आयोजित ‘रेल जन संवाद’ कार्यक्रम के अंतर्गत प्रमुख परिवहन सेवा उपलब्ध कराने वाले एक ऑटो चालक ने बताया कि वर्तमान में स्टेशन पर उन्हें कोई विशेष परेशानी नहीं है। उन्होंने साबरमती रेलवे स्टेशन पर पार्किंग सुविधा में हुए सुधार का भी उल्लेख किया।

मीडिया से बातचीत करते हुए मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश ने बताया कि ‘रेल जन संवाद’ यात्रियों एवं अन्य हितधारकों से प्रत्यक्ष फीडबैक प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यक्रम के दौरान प्राप्त सुझावों एवं समस्याओं को उनकी प्रकृति और प्राथमिकता के आधार पर वर्गीकृत किया जाएगा। जिन विषयों का तत्काल निराकरण संभव है, उन पर प्राथमिकता से कार्रवाई की जाएगी, जबकि मध्यम अवधि एवं दीर्घकालीन आवश्यकताओं के लिए चरणबद्ध कार्ययोजना तैयार की जाएगी। आधारभूत संरचना से संबंधित आवश्यकताओं को भी निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि यात्रियों की वास्तविक जरूरतों के अनुसार सुविधाओं का विकास किया जा सके।

अहमदाबाद मंडल के 107 रेलवे स्टेशनों पर आयोजित ‘रेल जन संवाद’ कार्यक्रम के अंतर्गत प्रमुख परिवहन सेवा उपलब्ध कराने वाले एक ऑटो चालक ने बताया कि वर्तमान में स्टेशन पर उन्हें कोई विशेष परेशानी

सुझावों एवं अपेक्षाओं की जानकारी प्राप्त की गई। वहीं, मंडल के अन्य रेलवे स्टेशनों पर संबंधित स्टेशन अधीक्षकों/स्टेशन मास्टरों (SS/SM) द्वारा यात्रियों से संवाद कर उपलब्ध यात्री सुविधाओं एवं उनमें सुधार की संभावनाओं के संबंध में फीडबैक लिया गया। इसके अतिरिक्त, ट्रेनों में भी यात्रियों से संवाद कर उनकी यात्रा संबंधी समस्याओं, अनुभवों एवं सुझावों को जाना गया।

विशेष स्वच्छता अभियान 6.0 के अंतर्गत जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अहमदाबाद मंडल के रेलवे स्टेशनों पर नुककड़ नाटक का आयोजन किया गया। इन नुककड़ नाटकों के माध्यम से यात्रियों एवं आमजन को स्वच्छता बनाए रखने, कचरे के उचित निपटान, ई-वेस्ट के समुचित प्रबंधन तथा रेलवे परिसरों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के प्रति जागरूक किया गया।

‘रेल जन संवाद’ के माध्यम से अहमदाबाद मंडल यात्रियों एवं अन्य हितधारकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करते हुए प्राप्त सुझावों की सेवा सुधार की प्रक्रिया से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में गांधीनगर में ‘काठियावाड भवन’ का लोकार्पण और दाता कृतज्ञता समारोह आयोजित हुआ

गांधीनगर : गांधीनगर में काठी दरबार एजुकेशन ट्रस्ट के ‘काठियावाड भवन’ का लोकार्पण और दाता कृतज्ञता समारोह मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस भवन के निर्माण में योगदान देने वाले सभी दाताओं को मुख्यमंत्री के करकमलों से सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ‘सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास’ के मंत्र को दोहराते हुए कहा कि शिक्षा केवल व्यक्तिगत परिवर्तन का साधन नहीं है, बल्कि पूरे समाज एवं राष्ट्र के निर्माण का एक शक्तिशाली माध्यम है।

उन्होंने जोड़ा कि शहरों में रहकर पढ़ाई करने वाले युवाओं को शिक्षा के साथ आवास की सुविधा देने के लिए विभिन्न समाजों के भवन सरकार के प्रयासों के पूरक बनते हैं और समाज के सहयोग से विकास को अधिक व्यापक बनते हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की कि आईएएस, आईपीएस, जीपीएससी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को काठी समाज के इस भवन के माध्यम से उचित मार्गदर्शन, अध्ययन के अनुकूल वातावरण, पुस्तकालय और आवास की श्रेष्ठ सुविधाएँ मिलेंगी।

मुख्यमंत्री ने विकसित भारत-2047 के निर्माता युवाओं के भविष्य को केन्द्र में रखकर काठी दरबार एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा

दक्षिण कोरिया के प्रमुख टेक्सटाइल हब

गांधीनगर : वाइब्रेट गुजरात ग्लोबल समिट अंतर्गत वैश्विक साझेदारी को मजबूत बनाने के उद्देश्य से जापान के सफल जनरल सेक्रेड सॉिटिंग तथा जनरल सेक्रेड प्रतिनिधिमंडल गुज्वार को दक्षिण कोरिया पहुँचा है। दक्षिण कोरिया का ‘देगू’ (डेगू) शहर देश का अग्रणी और प्रमुख टेक्सटाइल उद्योग केंद्र माना जाता है। राज्य के उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी की स्पेशल ट्रेन के रूप में चलेगी। ट्रेनों के समय, ठहराव एवं संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

बाल लीलाओं, गोकुल और वृंदावन के प्रसंगों, गोवर्धन पर्वत धारण करने की लीला, कालिया नाग के मर्दन और रासलीला जैसे प्रसंगों को विशेष स्थान मिलेगा। इसके अलावा मथुरा गमन, कंस वध, स्वर्ण नगरी द्वारका की स्थापना और महाभारत में श्रीकृष्ण की निर्णायक भूमिका को भी प्रस्तुत किया जाएगा।

मूर्तियों, चित्रों, विभिन्न कलाकृतियों, हस्तशिल्प और प्रतिकृतियों के माध्यम से इन प्रसंगों को दृश्यात्मक रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। परिणामस्वरूप; आगंतुकों के लिए श्रीकृष्ण के जीवन और उनके उपदेशों को केवल पढ़ने या सुनने तक सीमित न रहकर, उन्हें अनुभव करके समझने का अवसर उपलब्ध होगा।

आधुनिक टेक्नोलॉजी से जीवंत होगी भारतीय संस्कृति

आधुनिक युग में नई पीढ़ी तक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक ज्ञान पहुँचाने के लिए टेक्नोलॉजी एक अत्यंत प्रभावी माध्यम बन गई है। श्रीकृष्ण संग्रहालय में इस बात को ध्यान में रखते हुए उन्नत डिजिटल और इमर्सिव टेक्नोलॉजी को शामिल किया जाएगा।

इमर्सिव ऑडियो-विजुअल प्रस्तुतियों, इंटरएक्टिव डिजिटल डिस्प्ले, 3डी प्रोजेक्शन मैपिंग, टचस्क्रीन सूचना

कियोस्क और मोशन सेंसर आधारित अनुभवों के माध्यम से आगंतुकों को श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों से अधिक निकटता से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। थीम आधारित प्रकाश व्यवस्था, साउंडस्केप, डिजिटल स्टोरीटेलिंग और मल्टीमीडिया प्रोजेक्शन के समन्वय से संग्रहालय का भ्रमण एक विशिष्ट अनुभूति बन सकता है। यहाँ तकनीक केवल आकर्षण का साधन नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा को सरलता से समझने और उसके जीवन मूल्यों को आत्मसात करने का माध्यम बनेगी।

आध्यात्मिकता के साथ आधुनिक सुविधाओं का समन्वय

विश्वस्तरीय सांस्कृतिक स्थल के रूप में संग्रहालय का विकास करने के लिए केवल प्रदर्शनियाँ पर्याप्त नहीं हैं; आगंतुकों की सुविधा और सुगमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। इस बात को ध्यान में रखते हुए परियोजना में डिजिटल सूचना व्यवस्था, विजिटर डेस्क, दिव्यांगजनों के लिए प्रवेश की सुविधाएँ, कैफे, स्मूति चिह्नों की दुकान और सुव्यवस्थित पार्किंग जैसी व्यवस्थाएँ स्थापित की जाएँगी।

पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई गति

द्वारका में देश के विभिन्न राज्यों के

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमितभाई शाह के जन्मदिन पर सोला सिविल अस्पताल में विभिन्न सेवाकार्यों में सहभागी बने

मुख्यमंत्री ने सोला सिविल अस्पताल के मरीजों का हालचाल पूछकर फल वितरण किया



गांधीनगर : देश के गृह एवं सहकारिता मंत्री तथा गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री अमित शाह के जन्मदिन के अवसर पर अहमदाबाद में जनसेवा व मानवसेवा के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल अहमदाबाद स्थित सोला सिविल अस्पताल में मानवसेवा के विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से सहभागी बने। अहमदाबाद के महापौर श्री हितेशभाई बारोट, वेजलपुर के विधायक

श्री अमितभाई ठाकर और अहमदाबाद महानगर पालिका स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री कमलेशभाई पटेल भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

‘राष्ट्रसेवा ही संकल्प, भारत की प्रगति ही लक्ष्य’ के सूत्र के साथ आयोजित इस कार्यक्रम अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सोला सिविल अस्पताल में उपचार करा रहे मरीजों से मुलाकात की और उनका हालचाल पूछकर फलों का वितरण किया। मुख्यमंत्री ने मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने तथा उनके उत्तम

स्वास्थ्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

इसके बाद मुख्यमंत्री सोला सिविल अस्पताल परिसर में स्थित कुसुम्बा ‘अन्नक्षेत्र’ (नि:शुल्क भोजन केन्द्र) पहुँचे। वहाँ उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजनों तथा जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया।

इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, अस्पताल के चिकित्सक, प्रशासनिक अधिकारी तथा सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र के अग्रणी उपस्थित रहे।

‘देगू’ में आयोजित हुई ‘गुजरात–कोरिया राउंडटेबल बैठक’



किए गए भरीरथ प्रयास के लिए अभिनंदन देते हुए कहा कि काठियावाड की धरती धर्म, भक्ति और शौर्य की समृद्ध परंपरा की विरासत समेटे हुए है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जोगीदास खुमाण जैसे वीर पुरुषों, दान महााज विसामण बापू जैसे पूजनीय संतों और आला खाचर जैसे महान भक्तों ने समाज को शौर्य, सेवा, त्याग और संस्कार का मार्ग दिखाया है। काठी समाज ने अपनी गौरवशाली परंपरा को बनाए रखते हुए शिक्षा, ज्ञान, कोशल

और आधुनिक विचारधारा द्वारा समाज को नई ऊँचाइयों पर ले जाने का संकल्प किया है, जो सराहनीय है।

मुख्यमंत्री ने काठी समाज का आह्वान किया कि वह विकसित भारत और विकसित गुजरात के संकल्प में सहभागी बने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए ‘एक पेड़ माँ के नाम’, ‘वोकल फॉर लोकल’ और ‘स्वच्छता’ जैसे अभियानों में योगदान दे। इस लोकार्पण समारोह में सांसद श्री परसेतनभाई रूपाला, विधायक श्रीमती

रीटाबेन पटेल, श्री महेशभाई कसवाला, नई ऊँचाइयों पर ले जाने का संकल्प किया है, जो सराहनीय है।

मुख्यमंत्री ने काठी समाज का आह्वान किया कि वह विकसित भारत और विकसित गुजरात के संकल्प में सहभागी बने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए ‘एक पेड़ माँ के नाम’, ‘वोकल फॉर लोकल’ और ‘स्वच्छता’ जैसे अभियानों में योगदान दे। इस लोकार्पण समारोह में सांसद श्री परसेतनभाई रूपाला, विधायक श्रीमती

रीटाबेन पटेल, श्री महेशभाई कसवाला, नई ऊँचाइयों पर ले जाने का संकल्प किया है, जो सराहनीय है।

मुख्यमंत्री ने काठी समाज का आह्वान किया कि वह विकसित भारत और विकसित गुजरात के संकल्प में सहभागी बने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए ‘एक पेड़ माँ के नाम’, ‘वोकल फॉर लोकल’ और ‘स्वच्छता’ जैसे अभियानों में योगदान दे। इस लोकार्पण समारोह में सांसद श्री परसेतनभाई रूपाला, विधायक श्रीमती

